YouTube Subscribe Amar Bhaskar News | @amarbhashkarnews | Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

ईद-उल अज़हा की दिली मुबारकबाद

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड में प्रसारित

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

वर्ष: ०1 अंक: 341 | बदायूं, सोमवार 17 जून 2024 | पृष्ठ- ०6 | मूल्य- 4.०० रूपये

एलन मास्क के बाद राहुल गांधी का बड़ा आरोप ०1

जिलेभर में अदा की जायेगी ईद-उल-अजहा की नमाज.....०3

आतंकी हमलों के बाद शाह ने लिया सुरक्षा स्थिति का जायजा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में पहले दौर की बैठक पूरी हुई। इस दौरान जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। अब अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर दूसरे दौर की बैठक हो रही है। बैठक में एनएसए अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव, सेना प्रमुख मनोज पांडे और सेना प्रमुख के पद के लिए मनोनीत लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, आईबी के निदेशक तपन डेका, सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल, बीएसएफके महानिदेशक नितिन अग्रवाल तथा गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक स्थित गृह मंत्रालय में बैठक हो रही है। बैठक में शामिल होने के लिए सीआरपीएफके डीजी अनीश दयाल सिंह यहां पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू कश्मीर को लेकर इसी तरह की बैठक आयोजित करने के तीन दिन बाद शाह ने भी उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमले सहित कई आतंकवादी घटनाओं के बाद आतंकवाद विरोधी क्षमताओं का पूरा स्पेक्ट्रम तैनात करने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर बलों की तैनाती, घुसपैठ के प्रयासों, चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों की स्थिति और केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में अधिकारी जानकारी दी जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अमित शाह प्रधानमंत्री के निर्देश के अनुरूप ही सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई के बारे में व्यापक दिशानिर्देश देंगे। आतंकवादियों ने चार दिनों में जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए हैं। जिसमें नौ तीर्थ यात्रियों और एक सीआरपीएफजवान की मौत हो गई और सात सुरक्षाकर्मी सहित कई अन्य लोग घायल हो गए।

उफ्फ ये धूप, इस साल के तापमान ने तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। देश में अब तक की सबसे भयानक गर्मी पड़ रही है। कई हिस्सों में लगातार 5० डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान बना हुआ है। दिल्ली में साल 2००2 में सबसे ज्यादा 49.2 डिग्री सेल्सियस पारा रिकॉर्ड हुआ था। वहीं, इस साल 27 मई को तापमान 49.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तापमान ने दिल्ली में एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। इसी को लेकर प्रमुख पर्यावरणविद सुनीता नारायण ने कहा कि भारत इस साल भीषण गर्मी से जूझ रहा है। कोई भी इस स्तर की गर्मी के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने ताप सूचकांक और आधुनिक शहरों के डिजाइन के तरीके में बदलाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

संजय राउत बोले- अगर टीडीपी को नहीं मिला लोकसभा स्पीकर का पद तो

इंडिया गठबंधन देगा उन्हें समर्थन

मुबंई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा स्पीकर का पद एनडीए गठबंधन के किसी नेता को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है और अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि तेदेपा के उम्मीदवार को इंडिया गठबंधन का समर्थन मिले।

संजय राउत ने कहा कि श्लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2०14 और 2०19 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है। अगर एनडीए के उम्मीदवार को यह पद नहीं मिला तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह टीडीपी, जेडीयू और लोजपा (रामविलास) को तोड़ सकते हैं। अगर चंद्रबाबू नायडू को यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि उनके उम्मीदवार को इंडिया गठबंधन का समर्थन मिले।

गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि अगर डिप्टी स्पीकर पद विपक्षी गठबंधन को नहीं मिला तो वे लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपने उम्मीदवार का एलान कर सकते हैं। 17वीं लोकसभा के दौरान डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा था। लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई को सत्र का समापन होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव में भाजपा को 24० सीटों पर जीत मिली और पार्टी बहुमत के आंकड़े 272 से 32 कम है।

एक नजर

गंगा में नहाते समय दर्दनाक हादसा: 5 लोग डूबे, तलाश जारी

बलिया। गंगा दशहरा पर स्नान करते समय रविवार को बलिया के दोकटी थाना क्षेत्र के शिवपुर घाट पर यूपी की दिशा में 16 वर्षीय किशोरी गंगा में डूब गई। वहीं, बिहार की साइड में चार युवक गंगा नदी में नहाते समय डूब गए। मौके पर दोकटी पुलिस पहुंची और डूबे लोगों की तलाश शुरू हुई। खबर लिखे जाने तक सफलता नहीं मिली थी। गंगा दशहरा पर रविवार सुबह दोकटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर लालगंज की कुमारी अंशु पुत्री स्व. फिरंगी यादव अपनी मां और बहन के साथ गंगा स्नान करने गई थी। नहाते समय वो गहरे पानी में चली गई और डूब गई। उसी घाट के सामने बिहार की साइड में बिहिया थाना क्षेत्र के बारा खरौनी गांव के चार युवक रामजी (18) पुत्र जवाहर, सोनू यादव (2०) पुत्र विदेशी यादव, रीशू (19) पुत्र संजय शर्मा, दीपू (17) पुत्र रमाशंकर सेल्फी लेने के चक्कर में गहरे पानी में चले गए और डूब गए। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष दोकटी मदन पटेल ने शव को खोजने का प्रयास करते रहे।

एलन मस्क के बाद राहुल गांधी बोले- चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे गंभीर सवाल

नई दिल्ली। हमारे देश में लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब कई राज्यों विधानसभा और उपचुनाव की तैयारियां हो रही है। लेकिन एक बार फिर ईवीएम का जिन्न जाग उठा है। दरअसल विदेश में भी ईवीएम के जरिए चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी देश में ईवीएम के जरिए हो रहे चुनाव पर तंज कसा है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 24०, कांग्रेस ने 99 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक श्ब्लैक बॉक्सश् की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है।

कांग्रेस नेता ने कुछ मीडिया रिपोर्टस को टैग किया, जिसमें ये दावा किया गया है कि मुंबई के उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से मात्र 48 वोटों से चुनाव जीतने वाले शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक फोन था, जिससे ईवीएम अनलॉक हो जाता है। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें एलन मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इसे इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है। भारत में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने ईवीएम से वोट डाला है।

पूर्व सांसद के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा,

एंटी करप्शन ब्रांच ने शुरू की विवेचना

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद केडी सिंह समेत आठ लोगों के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। राजधानी स्थित सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने यूपी सरकार की सिफारिश पर इस प्रकरण की जांच अपने हाथों में ली है। बता दें कि देश भर में निवेशकों की रकम हड़पने को लेकर केडी सिंह के खिलाफ सीबीआई पहले भी मुकदमे दर्ज कर चुकी है।

सीबीआई ने पूर्व सांसद से जुड़ी कंपनियों अलकेमिस्ट इंफ्रा रियल्टी लिमिटेड और अलकेमिस्ट टाउनशिप लिमिटेड द्वारा निवेशकों को लुभावनी स्कीम पर भूखंड और मकान देने का झांसा देकर गाढ़ी कमाई हड़पने के मामले की जांच शुरू कर दी है। सीबीआई द्वारा दर्ज मुकदमे में केडी सिंह के साथ बृजमोहन महाजन, सत्येंद्र कुमार सिंह, सुचित्रा खेमकर, नंद किशोर सिंह, जयश्री प्रकाश सिंह, छत्रपाल सिंह और नरेंद्र सिंह को नामजद किया है। दरअसल, केडी सिंह और उनके साथियों पर आरोप है कि उन्होंने 2००9 में भदोही में कंपनियों का कार्यालय खोलने के बाद लुभावनी स्कीमों के जरिए निवेशकों से करीब दो करोड़ रुपये जमा कराए थे। बाद में निवेशकों को भूखंड नहीं दिए गए। निवेशकों द्वारा अपनी रकम वापस मांगने पर कंपनी के संचालक वर्ष 2०18 में कार्यालय बंद करके भाग गए।

बता दें कि केडी सिंह और उनकी कंपनियों के खिलाफ सीबीआई ने दो साल के भीतर दूसरा मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले प्रदेश सरकार की सिफारिश पर आजमगढ़ में दर्ज मुकदमे की जांच भी सीबीआई ने 26 जुलाई 2०22 को टेकओवर की थी। करीब सौ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी अंजाम देने का यह मुकदमा निवेशक विजय कुमार चौहान ने दर्ज कराया था। सीबीआई ने तब केडी सिंह के 12 ठिकानों पर छापा भी मारा था। तत्पश्चात सीबीआई ने केडी सिंह को गिरफ्तार भी किया था।

अखिलेश ने फिर जताया ईवीएम पर शक, बैलेट पेपर से चुनाव की मांग की

अमर भास्कर ब्यूरो, लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर से ईवीएम पर शक जताया है। उन्होंने यह बात एलन मस्क के एक बयान के बाद यह बात कही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अखिलेश ने लिखा कि टेक्नॉलजी समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। आज जब विश्व के कई चुनावों में स्टड को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और दुनिया के जाने-माने टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ईवीएम में हेराफेरी के ख़तरे की ओर खुलेआम लिख रहे हैं, तो फिर ईवीएम के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें। आगामी सभी चुनाव बैलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी माँग को हम फिर दोहराते हैं।

दिल्ली में पाइपलाइन काटने की हो रही साजिश, आप का बड़ा आरोप

दिल्ली। में लोगों को इस समय दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। तपती दिल्ली में पेयजल संकट परेशान कर रहा है। कई इलाके पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। इस बीच दिल्ली की जलमंत्री आतिशी का बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी की परेशानी बढ़ाने के लिए पाइपलाइन काटने की साजिश हो रही है। इस षड्यंत्र के कारण साउथ दिल्ली में आज 25 प्रतिशत पानी की कमी हुई है। आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। उन्होंने दिल्ली में मुख्य वाटर पाइपलाइन को सुरक्षा देने का आग्रह किया है। जल मंत्री आतिशी ने कहा, अभी दिल्ली में गंभीर हीटवेव भी चल रही है और पानी की कमी भी हो रही है। इस सब के दौरान ऐसा लग रहा है कि कुछ लोग पानी की पाइपलाइन तोड़ कर इस पानी की कमी को और बदतर बनाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। कल साउथ दिल्ली की सप्लाई पाइप लाइन में बहुत बड़ा लीकेज हुआ। जब हमारी टीम को पता चला तो रिपेयर के लिए टीम भेजी गई तो वहां यह पाया गया कि बहुत बड़े-बड़े बोल्ट को काट कर छेद किया गया है। मैंने इसी संदर्भ में आज पुलिस कमिश्नर को लिखा है कि हमारी मुख्य पाइप लाइन को पुलिस द्वारा सुरक्षा दी जाए।

दिल्ली सरकार में मंत्री व आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, कुछ दिनों पहले कुछ वीडियो को कुछ खास तरह के लोगों ने वायरल किया कि दिल्ली में बहुत लीकेज हो रही है। मुझे नहीं लगता कि वह लीकेज प्राकृतिक है, मुझे लगता है कुछ लोग जानबुझकर लीकेज कर रहे हैं। कल दक्षिण दिल्ली में पाइप को बांधने वाले नट-बोल्ट कटे हुए मिले, वह किसने काटे? उसकी वजह से आज पूरे दक्षिण दिल्ली में पानी नहीं आया। मैं जनता से निवेदन करूंगा कि वे इसपर निगरानी रखें क्योंकि कुछ लोग इन पाइपलाइनों को तोड़ने का षड्यंत्र कर रहे हैं।

जल संकट के बीच जल मंत्री आतिशी ने शनिवार को अधिकारियों के साथ आपात बैठक कर समस्या दूर करने का आदेश दिया। साथ ही, जरूरत के आधार पर पानी के टैंकरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा जलापूर्ति बेहतर बनाने के लिए हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू से फोन पर बातचीत भी की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

बैठक के बाद आतिशी ने बताया कि दिल्ली में जलसंकट की स्थिति बढ़ रही है। हरियाणा से पर्याप्त पानी नहीं मिलने से उत्पादन 7० एमजीडी तक घट गया है। 932 एमजीडी उत्पादन ही हो रहा है। वजीराबाद बैराज का जलस्तर सामान्य से 6 फीट घटकर 668.5 फीट पर पहुंच गया है। मुनक नहर से मिलने वाला पानी भी घटकर 9०2 क्यूसेक पहुंच गया है। कच्चा पानी मिलने में आई दिक्कत के बाद जल शोधन संयंत्र पर असर पड़ा है।

इस समस्या से निपटने के लिए पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में बोरवेल को यूजीआर से जोड़ा गया है। साथ ही, जलबोर्ड ने दिल्ली में टैंकरों के फेरे बढ़ाकर प्रतिदिन 1० हजार कर दिया है। जल बोर्ड करीब 1० एमजीडी पानी टैंकरों से सप्लाई कर रहा है। आतिशी ने अपील की कि हिमाचल से मिलने वाले पानी पर जब तक अपर यमुना रिवर बोर्ड का निर्देश नहीं आ जाता तब तक हरियाणा दिल्ली को कुछ अतिरिक्त पानी दे। दिल्ली के लोग भी पानी बर्बाद न करें। यदि कहीं लीकेज दिखे तो तुरंत सोशल मीडिया पर खबर दें।

अमर भास्कर

आवश्यकता है-

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल)

को पूरे देश में प्रदेश स्तर, मण्डल स्तर जिला स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर अनुभवी एवं शिक्षित संवाददाता एवं विज्ञापन प्रभारियों की।

संपर्क करें:-

मोबा. 9411214614, 9058143211, 7599339198

ऑफिस:-

निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक, बदायूँ (उ.प्र.)- 243601

www.amarbhashkar.com

Email- amarbhashkar21@gmail.com

दर्दनाक: मासूम बच्ची को पिता ने गंगनहर में जिंदा फेंका

अमर भास्कर, ब्यूरो।

मेरठ। जिले के सरधना थाना क्षेत्र के मंढियाई गांव में पिता ने शुक्रवार रात ढाई साल की मासूम बच्ची इकरा को गंगनहर में फेंक दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने बेटी को गंगनहर में फेंकने का अपराध स्वीकार कर लिया।

आरोपी ने पांच साल के बेटे उवैश को पीटने के कारण मासूम बच्ची को गंगनहर में फेंकने की बात कही है। लेकिन आरोपी की बताई वजह किसी के गले नहीं उतर रही। क्योंकि आरोपी की दो मासूम बच्चियों की दो साल पहले भी संदिग्ध हालात में मौत हो चुकी है। गांव मंढियाई निवासी सुल्लू उर्फ सुलेमान पुत्र इब्राहिम मजदूरी करता है। परिवार में पत्नी महरूनिशां और बेटा उवैश है। इनके अलावा दंपती की तीन बेटी इलमा, इकरा और अलीना थी। दो वर्ष पूर्व जब इलमा चार साल और अलीना तीन माह की थी। तब दोनों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। अब शुक्रवार की रात सुल्लू अपनी तीसरी बेटी इकरा को लेकर गंगनहर की ओर जाता दिखाई दिया। कुछ देर बाद वह अकेला वापस लौटा।

ग्रामीणों ने उससे बेटी के बारे में पूछा तो उसने कुछ नहीं बताया। तभी किसी ने पुलिस को सूचना दी कि एक व्यक्ति ने किसी मासूम बच्चे को गंगनहर में फेंका है। शक होने पर पुलिस ने सुल्लू के फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन वह वह मोबाइल स्विच ऑफ कर फरार हो गया। पुलिस ने गांव में जांच-पड़ताल की तो मासूम बच्ची को गंगनहर में फेंकने का मामला सामने आया। पुलिस रात भर आरोपी को तलाश करती रही।

शनिवार को पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने में पूछताछ की। शुरूआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। लेकिन बाद में आरोपी ने बेटी को गंगनहर में फेंकने की जानकारी पुलिस को दे दी। आरोपी ने बताया कि इकरा उसके बेटे उवैश से मारपीट करती थी। इससे क्षुब्ध होकर उसने इकरा को गंगनहर में फेंका है। गोताखोरों की मदद से पुलिस बच्ची को तलाश रही है।

ढाई साल की मासूम बच्ची इकरा को गंगनहर में फेंकने की वारदात का खुलासा होने के बाद पुलिस ने मामले गहनता से पड़ताल कर रही है। पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर क्राइम सीन दोहराया कराया। इसमें पता चला कि मासूम बच्ची को बेरहम पिता के इरादे की भनक लगी तो वह पिता के पैर पकड़कर अब्बू-अब्बू चिल्लाने लगी। मासूम बच्ची जान बख्शने की गुहार लगाती रही। लेकिन बेरहम पिता को को तरस नहीं आया। आरोपी ने अपना पैर छुड़ाकर बच्ची को गंगनहर में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी गांव मंढियाई निवासी सुल्लू उर्फसुलेमान ने इकरा को नहर में फेंकने के बाद वारदात को छुपाने के लिए पुलिस को अपहरण की सूचना दे दी थी।

पुत्र ने अपना लिवर पिता में कराया प्रत्यारोपित

अलीगढ़। फादर्स डे के पावन अवसर पर ओसनिक इनोवेशन सोसाइटी के अध्यक्ष महेश चन्द्र राजपूत एवं सचिव वीरेंद्र यादव ने संयुक्त रूप से इंतखाब समी तथा हाजी ए.समी खाँ को रसलगंज स्थित छतारी कम्पाउण्ड में उनके आवास पर जाकर सॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। ओसनिक इनोवेशन सोसाइटी के अध्यक्ष महेश चन्द्र राजपूत ने बताया कि विगत दिनों इंतखाब समी ने अपने पिता को लिवर प्रत्यारोपित कराया था।

फादर्स डे के अवसर पर पुत्र के अदम्य साहस,त्याग एवं सर्मपण को याद करके पिता हाजी ए.समी खाँ की आंखें चमक उठती हैं। हर्ष का अनुभव करते हुए अपने पुत्र के सराहनीय कृत्य पर गौरवान्वित महसूस करते हैं। इंतखाब समी ने अपने लिवर का हिस्सा प्रत्यारोपण कराके अपने पिता नया जीवन दिया। विगत दिनों हाजी ए.समी खां की तबियत काफी खराब हो गई थी।

जिला पंचायत सदस्य संजय दिवाकर अखिल भारतीय पंचायत सदस्य बने

अलीगढ़। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ठाकुर गवेन्द्र सिंह एडवोकेट के प्रयासों से वार्ड नंबर 40 ब्लाक अकराबाद जनपद अलीगढ़ के जिला पंचायत सदस्य संजय दिवाकर निवासी जरौली हीरा सिंह आज गैर राजनीतिक संस्था अखिल भारतीय पंचायत परिषद में शामिल हो गए जो ग्राम प्रधान भी रह चुके हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा अखिल भारतीय पंचायत परिषद का संगठन पूरे देश में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कांत सहाय पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार एवं कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अशोक चौहान के सामूहिक नेतृत्व में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के हित में सराहनीय कार्य कर रहा है और उत्तर प्रदेश प्रभारी गवेन्द्र सिंह एडवोकेट प्रदेश में निरंतर संगठन को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा संगठन को मजबूत करने के लिए मैं अपना पूरा सहयोग एवं योगदान दूंगा संजय दिवाकर के शामिल होने पर उत्तर प्रदेश प्रभारी गवेन्द्र एडवोकेट प्रदेश संयोजक राना, दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश सहसंयोजक चौधरी महेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री नरेंद्र सिंह सोलंकी, कुं मोहम्मद अहमद प्रधान उपाध्यक्ष, श्रीमती प्रियंका सिंह प्रदेश सचिव, धर्मवीर सिंह पूर्व पार्षद महानगर अध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष, पूर्व पार्षद तरुण चौहान आदि ने प्रसन्नता व्यक्त कर उनको हार्दिक बधाई दी और कहां संजय दिवाकर के शामिल होने से जिले में संगठन मजबूत होगा।

श्री वार्ष्णेय मंडल ने लगाई मीठी प्याऊ

अलीगढ़। श्री वार्ष्णेय मंडल सासनी गेट हरिगढ़ द्वारा गंगा दशहरा के उपलक्ष में विगत वर्षों की भांति मीठी प्याऊ का आयोजन एसए बुक सेंटर पर किया गया। मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा इस भीषण गर्मी से व्याकुल हजारों लोगों को तरह-तरह के शरबत पिलाए गए।

इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वार्ष्णेय मुख्य अतिथि सुरेश चंद सरकोड़ा विशिष्ट अतिथि उमेश सरकोड़ा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वार्ष्णेय, महामंत्री सुनील कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष शिव कुमार वार्ष्णेय, संरक्षक सतीश चंद्र गुप्ता, प्रमोद कुमार शैल, रमेश चंद्र गुप्ता, रवन कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अनिल कुमार सासनी वाले, ओमेंद्र कुमार एडवोकेट, उमेश वार्ष्णेय डिब्बा वाले, सहसचिव कंचनलाल वार्ष्णेय, अजय कुमार गुप्ता, यतेंद्र कुमार, इंद्रदेव कन्हैया अंकेक्षक अनूप कुमार गुप्ता, सदस्य नरेश चंद्र गुप्ता, सुरेंद्र कुमार गुप्ता बैंक वाले, नीरज कांत, विनोद कुमार धूपबत्ती वाले आदि मौजूद रहे।

पड़ोसी से विवाद में मां मासूम की गिरकर मौत

अमर भास्कर, ब्यूरो।

मेरठ। जिले के भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव अब्दुलापुर स्थित खिरन्नी मोहल्ला दर्दनाक घटना सामने आई है। शुक्रवार रात पड़ोसी से विवाद के दौरान एक महिला की गोद से पांच माह का मासूम जमीन पर गिर गया। मासूम का सिर ईंट से टकरा गया। शनिवार तड़के मासूम की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

पुलिस का कहना है कि परिजन ने इस मामले में कोई कार्रवाई से इंकार कर दिया। पुलिस के मुताबिक खिरन्नी मोहल्ला निवासी सलीम पुत्र जमील का शुक्रवार की रात करीब साढ़े 11 बजे पड़ोसी से मामूली बात पर विवाद हो गया था। दोनों पक्षों में कहासुनी के दौरान सलीम की पत्नी खुशनसीम अपने पांच माह के बच्चे को गोद में लेकर मौके पर पहुंच गई। इसी दौरान खुशनसीम की गोद से छिटककर अचानक बच्चा गिर गया। जमीन पर ईंट पड़ी थी।

ईंट से सिर टकराने के कारण मासूम के चोट लग गई। लेकिन खून नहीं निकलने के कारण परिजन ने इसे गंभीरता से नहीं मिला और बच्चे को चुप करा दिया। लेकिन शनिवार तड़के लगभग चार बजे परिजन को मासूम की मौत की जानकारी हुई। थाना प्रभारी संजय द्विवेद्वी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने का प्रयास किया। लेकिन परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद बच्चे का शव दफना दिया गया। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नवरत्न ने बताया कि बच्चे अगर गिर जाएं तो उनकी चोट को हल्के में न लें।

वस्त्र बदलने के लिए पक्के घाट की मांग

अलीगढ़। प्राचीन गंगा घाट सांकरा पर महिलाओं को वस्त्र बदलने के लिए किसान कामगार मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिल कुमार क्रांतिकारी ने पक्के गंगा घाट की मांग की गंगा स्नान के महापर्व दशहरा पर सांकरा गंगा पुल बनने से बदायूं जनपद सहित अलीगढ़ के भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए आए भीषण गर्मी में भारी भीड़ रही गंगा स्नान करने आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में अलीगढ़ व संभल जनपद की पुलिस व्यवस्था चौकस रही सांकरा चौकी इंचार्ज यतेंद्र सिंह गुर्जर ने सभी श्रद्धालुओं को सम्मान देते हुए मजबूती हासिल की यतेंद्र गुर्जर ने बताया अरे गर्मी के चलते जगह-जगह भंडारे एवं ठंडे पानी जल प्याऊ की उचित व्यवस्था की गई।

बदमाशों ने हीरा व्यापारी की कार से उड़ाए एक करोड़ के हीरे

अमर भास्कर, ब्यूरो।

आगरा। जिले में हीरा व्यापारी की कार में पीछे सीट पर रखा हीरा, सोने आभूषण, नकदी से भरा बैग बदमाशों ने खिड़की से उड़ा लिया। बैग में एक करोड़ रुपये से अधिक के हीरे के आभूषण थे। क्षेत्र में लूट की चर्चा से पुलिस में अफरातफरी मच गई। रात 1 बजे तक कई थानों का पुलिस फोर्स घटनास्थल पर छानबीन में जुटा रहा।

वारदात शहर के पॉश इलाके मदिया कटरा चौराहे पर रात 8.30 बजे नीरज डेरी के सामने हुई। बाग फरजाना निवासी नितिन मेहरोत्रा संजय प्लेस में प्रकाश डायमंड कारपोरेशन के नाम से फार्म में पार्टनर हैं। फर्म से वह रोज शाम 6 बजे फिजियोथेरेपी सेंटर के लिए साकेत कॉलोनी जाते थे। शनिवार को वह फिजियोथेरेपी सेंटर से जयपुर हाउस चले गए। वहां उनकी ससुराल है। सफेद रंग की क्रेटा कार से वह चलते थे। उसमें एक बैग में हीरे, सोने के आभूषण थे। 90 हजार रुपए नकद थे। हीरों की कीमत एक करोड़ से अधिक थी। रात को करीब 8.30 बजे वह जयपुर हाउस से लोहामंडी होते हुए कार से देहली गेट बाग फरजाना की तरफलौट रहे थे। रास्ते में मदिया कटरा चौराहे पर हनुमान मंदिर के सामने नीरज डेरी पर दो बदमाशों ने उन्हें झांसा देकर रोक लिया। उनकी कार का शीशा हल्का खुला था। पीछे से आए बदमाश ने कार से बैग निकाल लिया।

बैग नहीं दिखाई देने पर उनके होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि तीन चार दिन का कलेक्शन बैग में रखा हुआ था। किसी को माल देने के लिए रखा था। पुलिस ने बताया कि व्यापारी फर्म से हीरे बैग में रखकर कार से रोज घर लाता था।

जल्दी के कारण शनिवार को फिजियोथेरेपी के लिए आया तो बैग को घर रखना भूल गया। ससुराल जयपुर हाउस से जब निकला था तो कार में बैग रखा हुआ था। मदिया कटरा पर कार से रुका तो भी बैग रखा था, लेकिन दो बदमाश आए। बैग गायब हो चुका था। प्रभारी निरीक्षक लोहामंडी केपी सिंह ने बताया कि बैग में करीब एक करोड़ रुपए के हीरे, सोने के आभूषण और 90 हजार रुपए नकद बताएं हैं। बदमाशों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

पेयजल की समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सोनभद्र। जिले में भीषण गर्मी में पेयजल की किल्लत से जूझ रहे सोनभद्र जिले के बिल्ली मारकुंडी के टोला खैरटिया के सैकड़ों ग्रामीण रविवार की सुबह उग्र हो गए और हाथों में तख्तियां लेकर सड़क पर आ गए। ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदत्त दुबे के नेतृत्व में प्रधानमंत्री हर घर नल योजना लागू करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

शिवदत्त दुबे ने बताया कि आजादी के 77 वर्षों के बाद भी बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत का एक बड़ा हिस्सा खैरटिया गांव शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहा है। ग्राम सभा बिल्ली मारकुंडी के सबसे बड़े टोला खैरटिया, बाड़ी, बघमनवा एवं बिल्ली आंशिक जैसे टोला पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। बताया कि खैरटिया की आबादी करीब 15 हजार है, लेकिन अब तक भूमिगत जल या टैंकर जल पर निर्भर हैं। रेणुका नदी के किनारे बसे होने के कारण खैरटिया में बोरिंग भी सफल नहीं है।

यहां के भूमिगत जल में फ्लोराइड और आर्सेनिक की अधिक मात्रा के कारण भूमिगत जल अत्यंत खतरनाक है। ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान में सरकार की तरफसे हर घर नल योजना के तहत 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल से पानी की सुविधा मुहैया कराने का लक्ष्य है। मगर, इस योजना में खैरटिया सहित अन्य टोलों को नहीं जोड़ा गया। ग्रामीणों ने मांग किया कि तत्काल सर्वे कराकर चालू वर्ष में ग्राम पंचायत के खैरटिया सहित सभी टोला में हर घर नल योजना का लाभ दिया जाए। जल्द हर घर नल योजना के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पौधारोपण के साथ पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित

कानपुर। जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण केतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे की पौधा रोपण किया गया साथ ही लोगों को पौधे दिए गए और लोगों से सपथ पत्र पर हस्ताक्षर कराए गए और लोगों से अपील की गई की।

सभी लोग पौधों को अपने घर के सामने या अन्य खाली जगह पर लगाए ताकि आने वाले समय में लोगों को इस प्रचंड गर्मी से राहत मिल सके और लोगों को पर्यावरण संबंधित समस्याओं का सामना न करना पड़े वही इस भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों को शरबत एवं जलपान वितरण किया गया कार्यक्रम के आयोजन रोहित तुलस्यान और सौरभ बघेल ने बताया ने बताया की हर वर्ष इस तरह का कार्यक्रम करके लोगों में जागरुकता लाने की कोशिश करते हैं जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति प्रेम उत्पन्न हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विवेक अग्रवाल सुधीर तुलस्यान अनिल अग्रवाल आनंद तुलस्यान सौरभ बघेल आदि लोग उपस्थित रहे।

दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पहले शुरु हुआ योगाभ्यास

अलीगढ़। दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व साप्ताहिक योगाभ्यास के दूसरे दिन लोगों ने योगाभ्यास क्रिया में बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाई। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल के पूर्वाभ्यास पर सुबह पांच बजे से सात बजे तक जवाहर पार्क एवं महरानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम में योगाभ्यास कराया गया।

रविवार को आयुष विभाग के योग प्रशिक्षकों के द्वारा योगाभ्यास के प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया गया। योगाभ्यास में बड़ी संख्या में बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, स्थानीय नागरिकों, पुलिस के जवानों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही। योग प्रशिक्षक शिवा पाठक, ललिता सहायक ने जवाहर पार्क एवं प्रशांत माहेश्वरी ने स्टेडियम में आयोजित योगाभ्यास में सर्वाइकल और स्पोंडीलाइटिस से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए खड़े होकर किए जाने वाले ग्रीवा चालन, स्कंध चालन, कटिशक्ति चालन और घुटना चालन का अभ्यास कराया गया। इसी प्रकार खड़े, बैठकर और लेटकर किए जाने वाले आसनों का अभ्यास कराते हुए उससे होने वाले मनोदैहिक लाभों को बताया गया।

इस दौरान योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ्य रहने, आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाए जाने के बारे में विस्तार से बताया और योगाभ्यास के अंत में फल वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

हजारों भक्तो ने लगाई मां गंगा में आस्था की डुबकी, आरती का आयोजन हुआ

कानपुर नगर। सरसैया घाट के गंगा तट पर प्रत्येक रविवार को करौली सरकार जी के द्वारा मां गंगा आरती के संकल्प में आज गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर किया गया भव्य आयोजन जिसमें देश के सभी शहरों से आए भक्तो ने इस आयोजन में भाग लिया।शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा ने गंगा आरती के साथ भजन संध्या का आयोजन कर भक्तों को आनंदित किया।

आज की गंगा आरती, भजन संध्या व महाहवन के मुख्य अतिथि उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल जी की मुख्य उपस्थित गंगा तट पर रही। आरती के पश्चात उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि आध्यात्मिक रूप से गंगा जितनी पवित्र निर्मल स्वच्छ और पतित पावनी है अपने ऋषियों ने भौतिक रूप से भी गंगा को उतना ही स्वच्छ निर्मल और पवित्र रखने का निर्देश दिया है। देश की जनता को अपना कर्तव्य समझ कर गंगा को मातृवत स्थान देते हुए उन्हें संरक्षित तथा प्रदूषण मुक्त करने हेतु पूर्ण सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने इस तरह से आयोजनों को करवाने के लिए करौली शंकर महादेव जी को धन्यवाद किया की इस तरह मां गंगा के तट पर आयोजनों से अपनी संस्कृति को बल मिलता है इन आयोजनों में युवाओं को भी अपनी सहभागिता करनी चाहिए ये संदेश भी दिया साथ ही ये भी कहा की पॉलीथिन प्लास्टिक के दोने प्लेटे,विभिन्न संस्कारों से उतारे गए केस, विभिन्न उत्सवों के

समय निर्मित होने वाली प्लास्टर ऑफ पेरिस व केमिकल रंगों से रंगी मूर्तियों का विसर्जन,अधजली शव का प्रवाह प्रतिबंध करते हुए कपड़े धोने तथा स्नान के दौरान शैंपू साबुन तेल उबटन आदि का प्रयोग पर रोक लगाई जानी चाहिए। इसी दौरान शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा ने मां गंगा के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने की अपील करते हु कहा की गंगा के समीपवर्ती क्षेत्रो में स्थापित फैक्ट्री को यथासंभव अन्यत्र स्थापित किया जाए।

सीवर गंदे नालो तथा कारखाने से निकलने वाले हानिकारक द्रव्यो को किसी भी स्थिति में गंगा में ना गिरने दिया जाए। औसत जल प्रवाह निरंतर प्रभावित होते रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्री चोपड़ा ने कहा कि गंगा प्रिजर्वेशन एक्ट सरकार द्वारा बनाया जाए तथा शक्ति से उसका पालन किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गंगा में किसी भी प्रकार के प्रदूषण फैलाने को अक्षम्य अपराध की श्रेणी में सम्मिलित करते हुए ऐसे कृतियों को संलिप्त पाए जाने पर कठोर दंड का प्रावधान भी होना चाहिए। आज देश के प्रत्येक नागरिक समाज और सरकार का यह उत्तरदायित्व है कि गंगाजल को प्रदूषित न होने दें ताकि भविष्य में हमें स्वच्छ गंगाजल के लिए कहीं तरसना न पड़े हम सब का मां गंगा को स्वच्छ रखना नैतिक कर्तव्य है। इसी के साथ आज सरसैया घाट पर विशाल गंगा आरती के पश्चात भजन संध्या व महाहवन का सभी भक्तों ने आनंद लिया प्रातः सभी भक्तो ने मां गंगा का आचमन किया और डुबकी लगाई तट पर करौली शंकर महादेव जी के द्वारा महाप्रसाद प्रसाद व शरबत आदि का वितरण किया गया।

उपरोक्त करौली सरकार के तत्वाधान में आयोजित प्रत्येक रविवार को सायं 7 बजे होने वाली गंगा आरती में शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा, प्रदेश महिला अध्यक्ष मीना द्विवेदी, ज्योती मिश्रा, नंदिनी, प्रीती शुक्ला, ममता मिश्रा, शंकर सेना के कानपुर जिला प्रमुख युवा शाखा विनय वर्मा, जिला प्रमुख विशाल बाजपेयी, आलोक, रितेश तिवारी, आयुष द्विवेदी, अमन शुक्ला के साथ सैकड़ो गंगा भक्त मौजूद रहे।

पुलिस ने कार स्टैपनी चोर किया गिरफ्तार

अलीगढ़। थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा मेडिकल कॉलेज पार्किंग से कार के पहिया चोरी होने की घटना का खुलासा करते हुए चोरी की स्टेपनी रुपये व घटना में प्रयुक्त कार सहित शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किया है।

ज्ञाज हो कि शकील मौहम्मद पुत्र स्व० नशीर खां निवासी इकवाल काम्पलेक्स गली नं०1 जाकिर नगर जीवनगढ थाना क्वार्सी द्वारा अपनी गाड़ी बलेनो नं० यूपी 81 सीबी 8246 के चारों टायर चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना सिविल लाइन ने अपनी कार के अज्ञात चोरों द्वारा मुकद्मा पंजीकृत कराया था। अभियुक्त के पास से चोरी का टायर स्टेपनी घटना में प्रयुक्त कार स्विफ्ट डिजायर डीएल 6 सी क्यू-०958 व चोरी से सम्बन्धित 3500 रुपये बरामद हुए।

अल्लाह को प्यारी है.... जिलेभर में आज अदा की जायेगी ईद-उल-अजहा की नमाज

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। ईद उल अजहा बकराईद इस्लामी साल का आखिरी महीना है इस महीने को जिलहिज्जा यानी हज का महीना भी कहा जाता है। इस महीने के आते ही उस अजीम कुर्बानी की याद को ताजा करती है जो आज से तकरीबन चार हजार साल पहले अल्लाह के एक सच्चे फर्माबर्दार बंदे ने अपने मालिक अल्लाह के हुजुर पेश की थी कुर्बानी की तारीख उतनी ही पुरानी है। जितनी खुद मजहब या इंसान की तारीख कुर्बानी का ताल्लुक हजरत इब्राहिम अलैह सलाम की जात से माना जाता है। कुर्बानी की रूह व मकसद सिर्फ और सिर्फ रजाए इलाही और अहकामे खुदाबदी की तामील हजरत इब्राहिम अलैह सलाम ने राहे हक में अपने बेटे हजरत ईस्माईल अलैह सलाम की कुर्बानी पेश की थी आप ने ही काबे शरीफ का पुन: निर्माण कराया इसलिए काबा में एक खास जगह को मकामे इब्राहीमी कहा जाता है।

आपकी दो बीवियां थी बीबी सारा बीबी हाजरा से आप हजरत ईस्माईल अलैह सलाम व बीबी सारा से हजरते इशहाक पैदा हुए उस वक्त के मशहूर बादशाह नमरूद ने आप के परिवार को सताने पर आप परिवार सहित मक्का शरीफ की सफा व मरवा पहाडियों के निकट आ बसे। अल्लाह के हुक्म पर आप परिवार को जंगल में तन्हा छोड़ मालिक की राह में निकल पड़े इस दौरान परिवार को काफी समस्या से जूझना पड़ा उस वक्त हजरत ईस्माईल अलैह सलाम शिशु अवस्था में थे। एक दिन नन्हे हजरत इस्माईल को प्यास ने सताया तब माँ हाजरा पानी की तलाश में निकल पड़ी पानी की तलाश में आप ने सफा व मरवा पहाड़ी के साथ फेरे लगाए आप की यह अदा अल्लाह को इतनी पसंद आयी कि इन फेरो को हाजियों के लिया अनिवार्य कर दिया नन्हे हजरत ईस्माईल को प्यास ने तडपाया तो नन्हे हजरत ईस्माईल ने जमीन पर अपनी मुबारक ऐडियों को रगड़ना शुरु कर दिया खुदा की शान ऐडियों को रगड़ से रेगिस्तान में भी पानी का स्रोत फूट निकला। यह देख माँ हाजरा हैरतजदा रह गई। माँ हाजरा ने तेजी से फैलते स्रोत से कहा जम जम यानी ठहर ठहर कहा और जल स्रोत की सीमा बना दी आज इस पानी को आबे जम जम कहा जाता है इस पानी का मुसलमानों में बड़ा महत्व है। कुछ वक्त के बाद हजरत इब्राहिम अलैह सलाम परिवार के पास वापस आए एक रात उन्हें अल्लाह का हुक्म हुआ कि मेरी राह में कुर्बानी पेश करो।

अज्ञात चोरों ने प्लांट पर खड़े वाहनों से पांच बैटरियां चोरी की

अमर भास्कर, संवाददाता

बिनावर। थाना बिनावर क्षेत्र के गांव नदौलिया में राजलक्ष्मी इंटर प्राइजेज लखनऊ द्वारा रोड कंस्ट्रक्शन (रोड निर्माण कार्य) का कार्य बिनाबर से मौसमपुर तक चल रहा है। जिसका नदौलिया गांव में प्लांट लगा है जहां उक्त कंपनी द्वारा चयनित गार्ड के पद पर नामें अली पुत्र खुदा बक्स निवासी ग्राम नदौलिया को नियुक्त किया गया है। इस दौरान 12 जून की रात्रि गार्ड के पद पर तैनात नामे अली अपनी ड्यूटी पर था। इस दौरान तबीयत खराब होने के कारण गार्ड के पद पर तैनात व्यक्ति अचानक लगभग 12:०० बजे सो गया कि मौका पाकर अज्ञात चोर प्लांट पर खड़ी ट्रैक्टर व दो हाईवे गाड़ियों से कुल मिलाकर पांच बैटरा चोरी कर ले गए। पीड़ित गार्ड ने चर्चा कर चोरी गए बैटरो व चोरों को तलाश किया। इस दौरान कोई सफलता हाथ न लगने पर पीड़ित गार्ड ने थाना बिनावर पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

सार-संक्षेप

10 जुलाई तक ऋण हेतु करें आवेदन

बदायूं। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र के उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार उपाध्याय के जानकारी देते हुए बताया कि उ०प्र० सरकार द्वारा लागू मुख्यमन्त्री युवा स्वरोजगार योजना/ओडीओपी योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में ऋण दिये जाने हेतु आवेदनपत्र 1० जुलाई 2०24 तक आमंत्रित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि आवेदनपत्र पोर्टल पर व नये पोर्टल पर आनलाइन आवेदन भरे जा सकते है। उन्होंने बताया कि मुख्यमन्त्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत उत्पादन क्षेत्र हेतु अधिकतम 25.०० लाख व सेवा क्षेत्र इकाई हेतु अधिकतम 1०.०० लाख के स्वरोजगार स्थापनार्थ हेतु ऋण बैंक द्वारा प्राप्त किया जा सकता हैं जिसमें अधिकतम 25 प्रतिशत तक अनुदान की व्यवस्था भी हैं उक्त योजना हेतु अभ्यर्थी को पर हाईस्कूल पास तथा न्यूनतम 18 वर्ष एवं 4० वर्ष तक आयु के युवक/युवतियों के लिये आनलाइन आवेदनपत्र आमंत्रित किये जा रहे है।

उन्होंने बताया कि ओडीओपी योजना के अन्तर्गत जनपद हेतु जरी जरदोजी कार्य हेतु एक जनपद एक उत्पाद(ओडीओपी) में चयन किया गया है। जरी के कार्य को बढावा देने हेतु उक्त योजना में निम्नवत ऋण प्राप्त करने हेतु उद्योग, सेवा, व्यवसाय में रू० 2 करोड तक का ऋण दिया जा सकता है। उक्त योजना हेतु अभ्यर्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। युवक/युवतियों के लिये आनलाइन आवेदनपत्र आमंत्रित किये जा रहे है।

30 जून तक करें मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में ऑनलाइन आवेदन

बदायूं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सचांलित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत रू० 1०.०० लाख तक के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक शिक्षित बेरोजगार/अनुभवी/प्रशिक्षित एवं परम्परागत कारीगर (जिनकी आयु 18 वर्ष से 5० वर्ष के बीच हो) उद्यमियों के चयन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्य शासन से प्राप्त हुये हैं। इच्छुक आवेदक 3० जून 2०24 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना में कुल लागत का सामान्य वर्ग को 1० प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग व महिला वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना अनिवार्य है।

दशहरा पर ककराला में हुआ शरबत वितरण

अमर भास्कर, संवाददाता

ककराला। जेष्ठ गंगा दशहरा पर ककराला पश्चिमी पुल पर शरबत वितरण करते शिवभक्त इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा-उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अत: हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस शुभ कार्य में अनमोल शर्मा,मनोज शर्मा, राजेंद्र गुप्ता सुक्कू, विक्रम गोस्वामी, सर्वेश सक्सेना, विनोद स्कसेना, दिनेश सक्सेना, शिवम शर्मा, राजू राठौड़, श्याम पाल सक्सेना, गुड्डू सक्सेना, अश्वनी, अमित सक्सेना, रामफल शर्मा, अमित अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

भारत स्काउट संस्था के नि:शुल्क जल सेवा शिविर का 26 वें दिन समापन

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। भारत स्काउट गाइड संस्था के तत्वावधान में गांधी जन्मशती नेत्र चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर चल रहे नि:शुल्क जल सेवा शिविर का 26 वें दिन समापन हो गया। स्काउट गाइड और उत्तर प्रदेश सिविल पेंशनर्स परिषद के सदस्यों ने भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल जल पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश चंद्र ने कहा कि स्काउट गाइड का पहला कर्त्तव्य नि:स्वार्थ सेवा है। विषम परिस्थितियों में भी लोगों की सहायता करने के लिए तत्पर रहते हैं। स्काउट संस्था के डा.वीपी सिंह सोलंकी ने कहा कि संयम, सेवा और स्वाध्याय से जीवन सार्थक और समर्थ बनता है। उत्तर प्रदेश सिविल पेंशनर्स परिषद के ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि नि:स्वार्थ सेवा से जीवन महकता है। इस मौके पर रविंद्र मोहन सक्सेना, आचार्य प्रताप सिंह, महेश मित्र, संतोष शर्मा, दिलीप अग्रवाल, बृजेश चौहान, राजेश मौर्य, भीमसेन सागर आदि मौजूद रहे।

चिंता ऐसी डाकिनी काट कलेजा खाए, वैध बिचारा क्या करे कहां तक दवा लगाए...

लेखक- खालिद अली

जिस प्रकार एक सूखा पेड़ आग लगने पर पूरे जंगल को जला देता है। उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पूरे परिवार को नष्ट कर देता है। मतलबी लोगों के साथ रहने का मजा ही कुछ और है थोड़ी तकलीफ जरूर होती है पर दुनिया के दर्शन उनके अंदर ही हो जाते हैं।

उस जगह खामोश रहना जहां दो कौड़ी के लोग अपनी हैसियत के गुण गाते हो। कुएं का पानी सब फसलों को एक समान मिलता है लेकिन फिर भी करेला कड़वा, गन्ना मीठा, इमली खट्टी होती है। यह दोष पानी का नही बीज का है। वैसे ही सभी मनुष्य एक समान हैं परंतु उनपर संस्कारों का असर पड़ता है। सबसे बड़ा गुरुमंत्र है कभी भी अपने राज किसी को मत बताना यह आपको नष्ट कर देगा। हमे कभी उस व्यक्ति पर भरोसा नहीं करना चाहिए जो वक्त के साथ अपना स्वभाव बदल लेते हैं। चंदन कट जाने पर भी अपनी महक नही छोड़ते, हाथी बूढ़ा होने पर भी अपनी लीला नही छोड़ता, गन्ना निचोड़े जाने पर भी अपनी मिठास नही छोड़ता, उसी प्रकार ऊंचे कुल में पैदा हुआ व्यक्ति अपने उन्नत गुणों को नही छोड़ता भले ही उसे कितनी भी गरीबी में क्यों न बसर करना पड़े। झुकने का अर्थ यह कभी नहीं होता कि तुमने अपना सम्मान खो दिया है।हर कीमती वस्तु को उठाने के लिए झुकना ही पड़ता है।

जमाने भर में दिल रुसवा हुआ है।

हमारे साथ क्या अच्छा हुआ है।

हमारे गम का अंदाजा लगाओ।

हमारे घर का बंटवारा हुआ है।

वो घर में भी तो हो सकता था अपने।

कचहरी में जो समझौता हुआ है।

तुम्हारी वेबाफाई से पता है।

जहां में इश्क शर्मिंदा हुआ है।

दिखाता है हमे ही आंख बो जो।

हमारे सामने पैदा हुआ है।

सारथी परिवार मथुरा ने सम्मानित हुए षटवदन शंखधार

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। मथुरा में आयोजित सारथी परिवार द्वारा विराट कवि सम्मेलन मे बदायूं के युवा रचनाकार षटवदन शंखधार को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम संयोजक/सारथी परिवार के सचिव मफतलाल अग्रवाल ने कहा कि हमारा सारथी परिवार युवा रचनकारो को आगे बढाने का प्रयास कर रहा है। अच्छे कवियो को मंच प्रदान कर रहे हैं, जिससे समाज में अच्छी रचनाएँ सुनी जा सकें और समाज में जाग्रति पैदा हो द्य सारथी परिवार के अध्यक्ष दीपक गोयल ने बताया कि प्रत्येक जनपद से हम ऐसे कलमकारो को मंच प्रदान कर रहे हैं। हम प्रतिवर्ष इस आयोजन को करते हैं, जिससे युवाओं को मंच मिल सकें। देश के नामचीन साहित्यकारों को भी इस कार्यक्रम मे बुलाते हैं। जिससे नये रचनाकारो का उत्साह वर्धन हो सकें। कार्यक्रम संयोजक मफतलाल अग्रवाल ने बदायूं के युवा कवि षटवदन शंखधार को पटका पहनाकर और सम्मान पत्र भेट कर मंच पर सम्मानित किया साथ ही उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सम्मान समारोह में देश के नामचीन साहित्यकार डां ओमपाल सिह निडर पूर्व सांसद फिरोजाबाद, पदम अलबेला हाथरस, सबरस मुरसानी, डां देवेन्द्र, संतोष सागर विदिशा, उमेश चंद्र गर्ग, डां चौतन्य चेतन बरेली, बीपी मिश्रा बेधड़क, कुलदीप शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति मे षट्वदन शंखधार का सम्मान हुआ। बदायूं के साहित्यकार विष्णु असावा, ओजस्वी जौहरी, अचिन मासूम, ललितेश कुमार, पवन शंखधार, प्रभाकर सक्सेना, विवेक यादव ने शुभकामनाएं दी।

मां गायत्री ज्ञान दायिनी और मां भागीरथी है जीवनदायनी

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। गायत्री शक्तिपीठ एवं आध्यात्मिक चेतना केंद्र पर गायत्री जयंती और गंगा दशहरा पर्व पर पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ। आत्मीय परिजनों में लोक कल्याणार्थ गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां यज्ञ भगवान को समर्पित कीं।

गायत्री शक्तिपीठ के सुरेंद्र नाथ शर्मा ने कहा कि गौ, गंगा, गायत्री, गुरु और गीता साक्षात फल देने वाली हैं। सद्ज्ञान और सत्कर्म से जीवन महकता है। उन्होंने कहा गंगा दशहरा पर दस पापों का नाश भी होता है। जिला समंवयक नरेंद्र पाल शर्मा ने कहा कि गायत्री वेदमाता, देवमाता और विश्व माता है। मां गायत्री ज्ञान दायिनी और मां भागीरथी जीवनदायनी है।

यज्ञ में नरेंद्र कुमार, निर्देश शर्मा दिनेश गुप्ता, ललतेश कुमार, संजीव कुमार, संजय साहू, शिशुपाल सिंह, सुबोध मुख्य यजमान के रूप में रहे।

सत्यपाल सिंह का विवाह दिवस, रजनी मिश्रा का जन्म दिवस भारतीय संस्कृति के अनुरूप मनाया गया। शक्तिपीठ के मुख्य द्वार पर डा.पूनम शाक्य, ममता पाल, रजनी मिश्रा, नंदिनी ने शर्बत वितरण किया। इस मौके पर सुखपाल शर्मा, रामचंद्र प्रजापति, माया सक्सेना, कालीचरण पटेल, महेश शाक्य, राजेश्वरी, मनोज कुमार शर्मा, संत गोपाल मिश्रा, मुनेंद्र यादव, सुजाता माहेश्वरी, जगदंबा प्रसाद, अमिता माहेश्वरी आदि मौजूद रहीं।

बगरैन मे दशहरे के उपलक्ष्य मे भंडारा, मीठा शरबत हुआ वितरण

अमर भास्कर, संवाददाता

बगरैन। जेठ के दशहरे को लोग मीठा पानी वितरण कर भंडारा कर तथा राहगीरो को ठंडा पानी पिलाकर दशहरे के पर्व को मनाते है कस्वा बगरैन मे करेगी रोड शराव के ठेके के पास सुनील सर्राफडी के रस्तोगी कमल कश्यप अम्बुज सुमन दीपक बार्ष्णेय इन्द्रेश सुमन आदि ने सुबह से शाम तक सब्जी पुडी का भंडारा किया, वहीं मैन चौराहे पर गुप्ता ट्रेडर्स पर देवपाल गुप्ता जितेन्द्र गुप्ता विकास गुप्ता ने शरबत वितरण कर दशहरे के पर्व को मनाया वही करेगी रोड जय गंगे मा स्कूल तथा पेपल वक्टेशवर गैस ऐजंसी पर राजीव सिंह विकास वर्मा कल्लू सिंह जयवीर ने राहगीरो को मीठा शरवत पिलाया, वहीं कस्वे के आईरा कार्यालय पर 22 बे दिन भीषण गर्मी मे तथा दशहरे के उपलक्ष्य मे रोहित चौहान निखिल सिंह विपिन राहूल जमुना प्रसाद राशिद खान ने राहगीरो को ठंडा पानी पिलाकर दशहरे के पर्व को मनाया।

कछला गंगाघाट पर दो लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

बदायूं। गंगा दशहरा पर रविवार पूरे दिन कछला गंगाघाट आस्था का मेला उमड़ा। दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की भीड़ ने पिछले साल का रिकार्ड भी तोड़ दिया। बीते साल डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु आए थे। तड़के से ही गंगा घाट पर हर-हर गंगे की गूंज सुनाई देने लगी। सूर्यदेव को अर्घ्य देने के बाद घाट पर ही मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना भी की गई। गंगाघाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला तड़के चार बजे से ही शुरू हो गया। सात बजे से श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई। गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। पुरोहितों और संतों ने मंत्रोच्चार के जरिये पूजन कराया। अधिकतर श्रद्धालुओं ने खुद ही पूजन किया।

संपादकीय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति नई दाखिला

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी मिलने के करीब चार साल बाद और सुधारों की शुरुआत की गई है। ये बदलाव देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र से संबंधित है जिससे चार करोड़ छात्र-छात्राएं जुड़े हैं।

देश भर में फैले विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में करीब 2० लाख शिक्षक हैं। ताजा बदलाव सभी उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में वर्ष में दो बार दाखिले की व्यवस्था से संबंधित है जिसकी शुरुआत स्नातक स्तर से होनी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल ही में विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को साल में दो बार दाखिला देने की अनुमति प्रदान कर दी है। एक बार जुलाई-अगस्त में और दोबारा जनवरी-फरवरी में।

इस कदम का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि इससे उन बच्चों को लाभ होगा जो परीक्षा के नतीजे आने में देरी होने, स्वास्थ्य कारणों या किसी निजी कारण से जुलाई-अगस्त में दाखिला नहीं ले पाते हैं। अब वे बिना एक साल इंतजार किए अपने पसंदीदा पाठ्यक्र म में दाखिला ले सकेंगे। यूजीसी को उम्मीद है कि इस मॉडल को अपनाने से न केवल दाखिलों का अनुपात बेहतर होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और छात्रों के आदान-प्रदान की स्थिति में भी सुधार होगा जिससे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा मानकों के अनुरूप करने में मदद मिलेगी। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के मुताबिक उच्च शिक्षा में दाखिले का अखिल भारतीय औसत 2021-22 में 28.4 फीसदी था जो पिछले सालों से बेहतर था और जिसमें निरंतर सुधार हो रहा है। हालांकि विभिन्न राज्यों में काफी अंतर अभी भी है। साल में दो बार दाखिला देने की व्यवस्था को अनिवार्य नहीं किया गया है और यह उचित ही है। यह विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को तय करना है कि वे नई व्यवस्था को अपनाना चाहते हैं या नहीं।

कुछ विश्वविद्यालयों के बारे में खबर है कि वे अगले अकादमिक सत्र से इसे लागू करने पर विचार कर रहे हैं। इसे चुनिंदा पाठ्यक्रमों में प्रायोगिक तौर पर आरंभ किया जाएगा। बहरहाल यह आशंका भी है कि नई व्यवस्था को अपनाने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों को कई तरह की दिक्कतें भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए यह स्पष्ट नहीं है कि ये छात्र-छात्राएं सामान्य बैच और उनके अकादमिक कैलेंडर के साथ तालमेल बिठा सकेंगे या नहीं या फिर क्या उन्हें अपने अकादमिक कैलेंडर के साथ एक नई शुरुआत का अवसर मिलेगा। अगर बाद वाली बात होती है तो संस्थानों को एक ही साल के बच्चों के लिए दो अलग-अलग सेमेस्टर का संचालन करना होगा। हो सकता है कि अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों के पास बढ़े हुए बच्चों की पढ़ाई के लिए पर्याप्त कर्मचारी, शिक्षक और कक्षाओं, पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं जैसी अधोसंरचना न हो। यूजीसी ने 1:2० के छात्र शिक्षक अनुपात की बात कही है लेकिन एआईएसएचई की 2०2०-21 की रिपोर्ट के मुताबिक यह 1: 27 के साथ काफी ऊंचा बना हुआ है। देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था शिक्षकों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में कमी की शिकार है। अधिकांश सरकारी संस्थानों का बुनियादी ढांचा भी बहुत अच्छा नहीं है। उनकी कक्षाएं बहुत भीड़ भरी हैं, वे हवादार नहीं हैं और साफ-सफाई की भी दिक्कत है। छात्रावासों की स्थिति भी बहुत संतोषजनक नहीं है। वर्ष 2024-25 में उच्च शिक्षा के बजट आवंटन में पिछले वर्ष की तुलना में करीब आठ फीसदी का मामूली इजाफा किया गया यानी यह राशि 3,525 करोड़ रुपये बढ़ाई गई लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए और राशि की जरूरत होगी। अगर भारत को वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा करनी है और बढ़त हासिल करनी है तो ऐसा करना आवश्यक है। खासतौर पर उच्च तकनीक वाले सेवा निर्यात के मामले में। बहरहाल, कुछ निजी विश्वविद्यालय शायद नई दाखिला व्यवस्था को अपनाने के लिए बेहतर स्थिति में हों। इससे उन्हें उन अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी करने में भी मदद मिलेगी जिनके यहां ऐसी ही दाखिला व्यवस्था है। सरकारी विश्वविद्यालयों को दाखिले के अलावा शिक्षकों और बुनियादी ढांचे की व्यवस्था में भी सुधार करना होगा तभी वे बेहतर नतीजे पा सकेंगे।

व्यापार घाटा सात महीने की ऊंचाई पर

भारत का व्यापार घाटा मई में 23.78 अरब डॉलर हो गया, जो सात महीने में सबसे ज्यादा है। पेट्रोलियम, खाद्य तेल और परिवहन उपकरणों का आयात बढ़ने से व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई है।

वाणिज्य विभाग द्वारा आज जारी आकड़ों से पता चलता है कि मई में देश से वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर रहा। इस दौरान आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। कुल आयात में पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी करीब 32 फीसदी रही और मई में इनका आयात 28 फीसदी बढ़कर 19.95 अरब डॉलर रहा।

वाणिज्य सचिव सुनील बड़थ्वाल ने कहा कि जब तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी मुद्रा आ रहे हैं तब तक केवल व्यापार घाटा बढ़ने से चिंता नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब आपकी अर्थव्यवस्था बाकी देशों से तेज बढ़ रही हो तो आयातित वस्तुओं की मांग बढ़ती है और देसी उत्पादों की मांग भी बढ़ती है। इसलिए आपके पास निर्यात के लिए कम माल बचेगा क्योंकि आयात की जाने वाली ज्यादातर वस्तुएं देसी बाजार में होंगी। यह दो बातों पर निर्भर करता है दृ देसी उत्पाद आयात होने वाले कितने सामान की जगह ले लेते हैं और अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ती है। पेट्रोलियम उत्पादों के अलावा परिवहन उपकरण (31.88 फीसदी), चांदी खाद्य तेल (27.5 फीसदी) और दालों (181 फीसदी) का आयात भी बढ़ा है। बड़थ्वाल ने कहा कि निर्यात में उन्हें आगे भी वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एक महीने में ही हमारा निर्यात 3 अरब डॉलर बढ़ना नई सरकार के आने के बाद शुभ संकेत है। इससे पता चलता है कि प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति नीचे आ रही है। विकसित देशों में महंगाई कम होने से लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ेगी और मांग में भी इजाफा होगा।

निर्यात में इजाफा मुख्य तौर पर पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग वस्तुओं , इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और कपड़े की मांग बढ़ने से हुआ। पेट्रोलियम और रत्न एवं आभूषण के अलावा बाकी वस्तुओं के निर्यात को आम तौर पर निर्यात की सेहत मापने का पैमाना माना जाता है। पिछले साल मई के मुकाबले यह 8.8 फीसदी बढ़कर 28.6 अरब डॉलर रहा। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि तेल के शुद्ध आयात में उछाल के कारण वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतें कम होने के कारण इसका जमकर आयात किया गया, जिस कारण अप्रैल के मुकाबले मई में वस्तु व्यापार घाटा 71 फीसदी बढ़ गया। अप्रैल से मई 2०24 के दौरान वस्तु व्यापार घाटे में साल भर पहले के मुकाबले 6 अरब डॉलर के इजाफे के कारण इस तिमाही में चालू खाते का घाटा जीडीपी के 1.5 फीसदी तक पहुंच सकता है, जो पिछली तिमाही में जीडीपी का 1.1 फीसदी था। मई में सेवाओं का निर्यात 11.7 फीसदी बढ़कर 3०.16 अरब डॉलर हो गया और आयात 8.8 फीसदी बढ़कर 17.28 अरब डॉलर हो गया। इस प्रकार 12.88 अरब डॉलर अधिशेष रहा। मई का सेवा व्यापार आंकड़ा अनुमानित है और भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इसमें बदलाव किया जाएगा। इस बीच देश में निर्यातकों के संगठन फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने उम्मीद जताई कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, पश्चिम एशिया और अमेरिका से मांग बढ़ने से निर्यात में ज्यादा वृद्धि होगी।

कोलकाता ने अतीत से लिया सबक मगर आग का खतरा है अभी तक

दक्षिण कोलकाता में एक्रोपॉलिस मॉल की तीसरी मंजिल पर आज भीषण आग लग गई। इस हफ्ते शहर में आग लगने की यह दूसरी बड़ी घटना है। मॉल से दोपहर को धुआं उठना शुरू हुआ और इमारत को फौरन खाली करा लिया गया। लोगों को मॉल से निकालकर पड़ोस में गीतांजलि स्टेडियम भेज दिया गया। आनन-फानन में दमकल की कई गाड़ियां वहां पहुंच गईं और मॉल में लगे कांच के कुछ पैनल तोड़कर धुआं बाहर निकाला गया। दोपहर बाद करीब 3 बजे तक हालात काबू में आ गए।

एक्रोपॉलिस मॉल ने बयान में कहा कि मॉल संभाल रही टीम ने फौरन हरकत में आते हुए बचाव के उपाय किए। धुआं बाहर निकालने वाले यंत्र चालू किए गए, फायर पंप की मदद से आग वाले स्थानों पर पानी छिड़का गया और दमकल विभाग तथा पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। एक्रोपॉलिस मॉल के सीनियर ऑपरेशंस मैनेजर कृष्णा ने कहा कि हम पिछले 9 साल से मॉल को अच्छी तरह चला रहे हैं और पहले कभी ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है। हम हर तरह से पता लगाएंगे कि आग कैसे लगी और आंतरिक जांच भी कराई जाएगी। शुक्र है कि कोई अनहोनी नहीं हुई। कल से मॉल पहले की तरह चलने की उम्मीद है।

शहर में पिछले कुछ दिनों में बड़ी आग की यह दूसरी घटना है। मंगलवार सुबह पार्क स्ट्रीट और कामैक स्ट्रीट चैराहे पर बंद पड़े रेस्टॉ-पब 'व्हाट्ज इन द नेम' में आग लग गई थी। यह इलाका कोलकाता का मनोरंजन का अड्डा कहलाता है, जहां कई रिटेल आउटलेट, रेस्तरां, पब आदि हैं।

उस दिन भी दमकल की 15 गाड़ियां फौरन पहुंच गई थीं। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ और इमारत में काम कर रहे तीन-चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चला है मगर रेस्तरां की मरम्मत चल रही थी और बताया जा रहा है कि वहां ज्वलनशील सामग्री मिली थी। इस घटना के कारण शहर के इस मुख्य हिस्से में कुछ घंटों तक अफरातफरी रही थी। आसपास की इमारतों को भी खाली करा लिया गया था। बगल की इमारत पार्क सेंटर में सिक्योरिटी गार्ड मधई मिड्या ने बताया कि हर जगह धुएं का गुबार था। पार्क सेंटर में भी कई दुकानें, रेस्तरां और दफ्तर हैं। हालात कुछ घंटों में सामान्य हो गए मगर अतीत की कुछ यादें डरा गईं।

पार्क स्ट्रीट में आग से सबसे खौफना हादसा स्टीफन कोर्ट में हुआ था, जिसमें 43 लोगों की जान चली गई थी। 1927 में बनी इस इमारत में फ्लरीज, पीटर कैट के मशहूर स्टोर थे और घर तथा दफ्तर भी थे। 2०1० में शॉर्ट सर्किट की वजह से इमारत लपटों में घिर गई। दक्षिण कोलकाता के ढाकुरिया में 2०11 में आमरी अस्पताल में लगी आग में तो 92 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी।

मगर पार्क स्ट्रीट में स्टीफन कोर्ट हादसे के बाद भी आग लगने की घटनाएं होती रहीं। गनीमत यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। यहां रेस्टो बार ओलिपब में 2०14 और 2०19 में दो बार आग लगी। यहीं पर एपीजे हाउस में 2०12, 2०18 और 2०21 में यानी तीन बार आग लग चुकी है।

पार्क स्ट्रीट की अधिकतर इमारतें पुरानी हैं और उनमें अग्निशमन विभाग के निर्देशों का पूरी तरह पालन करना आसान नहीं है। मगर अधिकतर लोग मानते हैं कि स्टीफन कोर्ट हादसे के बाद सख्ती काफी बढ़ी है। पीटर कैट, मोकैम्बो और पीटर हू। के मालिक नितिन कोठारी ने कहा कि अग्निशमन विभाग समय-समय पर जांच करता है और कभी-कभार तो बिना बताए अचानक मुआयना कर लिया जाता है। उन्होंने कहा, 'सख्त कानून लागू करने में दमकल विभाग ने शानदार काम किया है।

नियमों के मुताबिक इमारत के भीतर पानी का टैंक भरे रखना, वाटर स्प्रिंकलर लगाना और स्मोक डिटेक्टर लगाना अनिवार्य है। पार्क स्ट्रीट के एक कमर्शल कॉम्प्लेक्स के सुरक्षा मैनेजर ने कहा कि अग्निशमन विभाग ने नियम काफी बदल दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए विभाग के पास जाते हैं तो हमें पक्का करना पड़ता है कि इमारत सभी तरह के नियमों पर खरी उतर रही है। नियमों का पालन करने के लिए हमें भी 196० में बनी अपनी इमारत में बदलाव करने पड़े हैं।

अग्निशमन विभाग ने तो अपना काम किया होगा मगर शहर के घनी आबादी वाले बाजारों में नई समस्या पैदा हो रही है। पार्क स्ट्रीट से करीब 2 किलोमीटर दूर न्यू मार्केट में ग्राहकों का जमावड़ा लगा रहता है। करीब 15० साल पुराने इस बाजार को पहले सर स्टुअर्ट हॉग मार्केट कहा जाता था। यहां के दुकानदार अंदेशा जताते हैं कि फेरीवालों के अतिक्रमण की वजह से यहां किसी भी समय कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है।

एसएस हॉग मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि फेरीवाले शाम को जब दुकान उठाते हैं तो अपना सामान प्लास्टिक की शीट में लपेटकर यहीं छोड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी कारण उसमें आग लग गई तो तबाही मच जाएगी।

न्यू मार्केट में कई बार भीषण आग लग भी चुकी है। 1985 में आधी रात को लगी आग में इस बाजार का आधा हिस्सा राख हो गया था। तब बाजार को नए सिरे से बनाना पड़ा और उसमें नए हिस्से भी जोड़े गए। मगर 2०11, 2०15 और 2०18 में भी वहां आग लगी। न्यू मार्केट का रखरखाव कोलकाता नगर निगम करता है। एक दुकानदार ने कहा कि रखरखाव बहुत घटिया है और कोई हादसा हुआ तो सब भगवान के भरोसे ही होंगे।

खेल-खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया की जीत से इंग्लैंड को हुआ बंपर फायदा

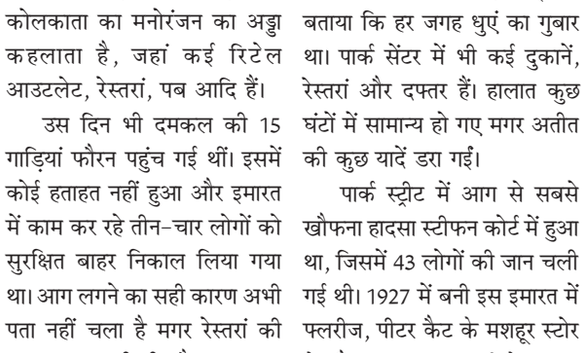

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को पांच विकेट से जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से इंग्लैंड को बंपर फायदा हुआ है। वह ग्रुप बी से सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं, स्कॉटलैंड का सफर इसी के साथ टी2० विश्व कप 2024 में समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। वह फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है।

स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को जीत हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खाते में आठ अंक हो गए। वहीं, उनका नेट रनरेट 2.791 हो गया। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड की टीम है। चार मैचों में दो जीत के साथ उनके खाते में पांच अंक हैं। वहीं, उनका नेट रनरेट 3.611 हो गया है। स्कॉटलैंड की टीम नेट रनरेट की वजह से क्वालिफाई करने से चूक गई। उनके खाते में भी पांच ही अंक हैं। हालांकि, उनका नेट रनरेट 1.255 है। इस ग्रुप की दो टीमें पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं।

ग्रॉस आइलेट के डेरन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए 35वें मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड ने ब्रेंडन मैकमुलेन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 2० ओवर में पांच विकेट पर 18० रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस की विशाल साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए और पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका दो रन के स्कोर पर लगा। ब्रैड व्हील ने रिची बेरिंग्टन के हाथों डेविड वॉर्नर को कैच आउट कराया। वह सिर्फ एक रन बना सके। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मिचेल मार्श भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, मैक्सवेल एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। वह आठ गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 6० रन के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी ऑस्ट्रेलिया को एक लंबी साझेदारी की जरूरत थी। ऐसे में टीम के लिए ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस संकटमोचक साबित हुए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 8० रनों की विशाल साझेदारी हुई जिसे 16वें ओवर में साफयान शरीफ ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज को 14० रन के स्कोर पर आउट किया।

विश्व कप के बीच डब्लूआई क्रिकेट के अधिकारी ने मांगी भारत से मदद

नई दिल्ली। अमेरिका में खेले जाने वाले सभी मैच खेले जा चुके हैं। अब सुपर-8 के लिए सभी टीमें वेस्टइंडीज की तरफ कूच कर रही हैं। इस बीच क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने टेस्ट क्रिकेट को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बताया है कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में हैं। ऐसे में भारत को नेतृत्वकर्ता के रूप में भूमिका निभानी चाहिए। ग्रेव ने टेस्ट क्रिकेट के प्रति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की प्रतिबद्धता की सराहना की है।

ग्रेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के स्तर पर तीन बड़े देशों के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2०23-2०25 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे।

तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2०19 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे हैं ग्रेव ने कहा, भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी।

'धारा'

निर्मल धारा बहती जाती
सुंदर, सुमधुर गीत सुनाती,
पर्वत से मैदानों तक हरियाली
करती हर पाती।
कल-कल करती नदिया
प्यारी सबको गीत सुनाती,
पत्थर से टकरा कर धारा
झंकृत हो बिखरी जाती।
कभी शांत, कभी चंचल
रहती धारा का यह खेल है,
कभी सुख, कभी दुख जीवन
का सच्चा मेल है।
धारा से प्रेरणा लो सीखो
हर पल आगे बढ़ते जाना,
कठिनाइयों से कभी ना डरना
सपनो को साकार बनाना।

लेखिका/कवियत्री
प्रतिमा पाठक
दिल्ली

अमर भास्कर
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
• वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
• संरक्षक : हामिद अली खाँ
• संरक्षक : सुरेश प्रसाद शर्मा
• प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
• संपादक : अबरार अहमद
• कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
• व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
• मैनेजर : केपी यादव

हमारे यूट्यूब चैनल ***Amar Bhaskar News*** को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।
-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-
अमर भास्कर कार्यालय
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।
पिन कोड-243601
Email- amarbhashkar21@gmail.com
Whatsapp. No. 9411214614

हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब, हरकी पैड़ी पर पैर रखने तक की जगह नही

उत्तराखंड। गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी के पावन स्नान पर्व पर गंगा स्नान के लिए हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों श्रद्धालु तड़के से ही हरकी पैड़ी पर जुटने लगे और गंगा स्नान व दान कर पुण्य कमाया। वहीं हरकी पैड़ी पर इतनी भीड़ उमड़ी कि पैर रखने तक की जगह नहीं है। तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने भी कनखल में गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान किया।

उधर, वीकेंड के साथ ही स्नान पर्व एक साथ होने से पुलिस के लिए भी चुनौती है। वीकेंड पर ही भारी भीड़ उमड़ने से जाम लग रहा है। अब ऐसे में स्नान पर्व पड़ने से अत्यधिक भीड़ आने की संभावना है। इसलिए यातायात व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है।

हरिद्वार में मेला क्षेत्र को तीन सुपर जोन, 10 जोन और 26 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। साथ ही पूरे मेला क्षेत्र में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है। पुरोहितों का मानना है कि गंगा दशहरा का पर्व तब से शुरू हुआ जब से मां गंगा धरती पर अवतरित होकर हरिद्वार में आईं। इसी दिन गंगा पुत्र भीष्म का भी जन्मदिन होता है। मान्यता है कि इस दिन हरिद्वार हरकी पैड़ी में स्नान करने से 10 प्रकार के पापों का शमन होता है।

भारतीय प्राच्य विद्या सोसायटी कनखल हरिद्वार के प्रतीक मिश्रपुरी का कहना है कि देवभूमि शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक दृष्टि से मोक्षदायिनी धरती है। गंगा दशहरा का महात्म्य 10 योग से भी जुड़ा है। इसी योगिनियों में मां गंगा का अवतरण हरिद्वार में हुआ।

इन योग की गणना ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, दिन बुधवार, हस्त नक्षत्र, कन्या राशि में चंद्रमा, वृष राशि में सूर्य, तातिल करण आदि से जोड़ा जाता है। इस 10 योग में इस बार गंगा दशहरा पर छह योग बन रहे हैं। शहर में स्नान पर्व को लेकर पुलिस ने यातायात रूट डायवर्ट किया है। यातायात प्लान शनिवार रात 12 बजे से लागू कर दिया गया , जो 18 जून निर्जला एकादशी का स्नान संपन्न होने तक लागू रहेगा। साथ ही शनिवार रात 12 बजे शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

एम्स में उपचार के दौरान एक और घायल की मौत

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तराखंड। ऋषिके श-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में हुए हादसे में एक और जान चली गई। देर रात एम्स में इलाज के दौरान एक घायल ने दम तोड़ दिया।जिसके बाद अब हादसे में मृतकों की संख्या 15 पहुंच गई है।

डॉक्टरों के मुताबिक, एम्स लाने के बाद अभिषेक मीणा(18)पुत्र कैलाश चंद मीणा निवासी दिल्ली, धर्मेंद्र कुमार(23) पुत्र दिनेश राम, निवासी दिल्ली और शौनिक तनेजा(27) पुत्र सुरेश तनेजा, निवासी सोनीपत हरियाणा की मौत हुई है।

बता दें कि शुक्रवार देर रात को नई दिल्ली से अलग-अलग जगह के 23 युवाओं का दल चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए रवाना हुआ था। शनिवार सुबह लगभग 11.30 बजे बदरीनाथ हाईवे पर वाहन रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने अलकनंदा नदी के किनारे जा गिरा। हादसे में 10 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। दो की जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग और दो की मौत एम्स ऋषिकेश में हुई थी। हादसे में 15 लोग जान गवां चुके हैं।

हादसे में मृतकों को रुद्रप्रयाग में पोस्टमार्टम करने के बाद देर रात श्रीनगर बेस अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया। यहां मृतकों के परिजन शव लेने के लिए पहुंचते रहे। इस दौरान परिजनों को एंबुलेंस न मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बाद ऋषिकेश से एंबुलेंस मंगाई गई। अब तक तीन शव जा चुके हैं।

फायरिंग के छह घंटे के अंदर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

मुरादाबाद। पुलिस ने कटघर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर रोड पर मुठभेड़ के दौरान हिस्ट्रीशीटर बंटी सैनी को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन उसका साथी भागने में सफल हो गया। हिस्ट्रीशीटर के पैर में गोली लगने पर पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि बीते दिन रात 11 बजे बसंत विहार में दो पक्षों के बीच आपसी विवाद के दौरान फायरिंग हुई। इस घटना में रोहित को गोली लगी और उसके साथी जोगिंदर को छर्रे लग गए। दोनों घायलों को परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में पुलिस ने बसंत विहार निवासी आरोपी बंटी सैनी समेत दो नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों पर मारपीट और जानलेवा हमले का केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुट गई। एसपी सिटी का कहना है कि शनिवार सुबह करीब पांच बजे कटघर पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इस बीच सूचना मिली कि बाइक सवार दो युवक कल्याणपुर रोड पर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी कटघर की टीम ने घेराबंदी कर दी। पुलिस की घेरेबंदी से निकलने के लिए बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह कुछ दूरी पर गिर गया। लेकिन उसका साथी मौके का फायदा उठाते हुए जंगल के रास्ते भाग निकला। पकड़े गए घायल बदमाश की पहचान बसंत विहार बल्देवपुरी निवासी हिस्ट्रीशीटर बंटी सैनी के रूप में हुई। पूछताछ से पता चला कि मौके से भागने वाला उसका साथी डबल फाटक निवासी उसका साथी अजय सैनी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 315 बोर का एक तमंचा, एक खोखा और तीन कारतूस बरामद किया। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही सीओ कटघर रुद्र कुमार सिंह भी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने घायल बदमाश बंटी सैनी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बंटी सैनी के खिलाफ जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इलाज के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। कल्याणपुर रोड पर शनिवार की सुबह मुठभेड़ के बाद सीओ कटघर रुद्र कुमार सिंह ने घटनास्थल की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने मुठभेड़ स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर फिंगर प्रिंट लिए।

खाई में गिरी कार, दो बच्चों समेत चार की मौत दो घायल

अमर भास्कर, ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के श्रीनगर में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खिर्सू कठुली लिंक मोटर मार्ग पर एक कार खाई में गिर गई। हादसे में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए।

एसएसआई सुनील रावत ने बताया कि कार खिर्सू से कठुली गांव को जा रही थी। तभी कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौक पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि वाहन में सात लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार, तीन घायलों को निकाला गया है। उनका इलाज चल रहा है।

सार-संक्षेप

गर्मी का कहर जारी 42 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

देहरादून। बीते कुछ दिनों से दर्ज की जा रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर अभी भी कुछ दिन तक जारी रहेगा। प्रदेश के मैदानी इलाकों के साथ कुछ पर्वतीय जिलों के हिस्सों में भी गर्म हवाएं खूब परेशान करेंगी। इसके लिए मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से चेतावनी जारी की गई है।

केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज देहरादून समेत उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, टिहरी, अल्मोड़ा जिले के कुछ इलाकों में गर्म हवा चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पर्वतीय जिलों के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं। जबकि अन्य जिलों में भी भीषण गर्मी पड़ने से दिन के साथ रात को भी गर्म हवाएं परेशान करेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो शनिवार को दून का अधिकतम तापमान सामान्य से नौ डिग्री बढ़ोतरी के साथ 42.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि रात का न्यूनतम तापमान भी तीन डिग्री इजाफे के साथ 26.9 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं दून का अधिकतम तापमान 42 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहने के आसार हैं। जून में इतना तापमान बीते 121 सालों में पहली बार दर्ज किया जा रहा है।

फाइबर कारोबारी के ऑफिस- फैक्टरी में छापा

मुरादाबाद। राज्य कर की टीम ने गजरौला स्थित फाइबर की फैक्टरी और पीलीकोठी स्थित हेड ऑफिस पर छापा मारा। 22 घंटे की जांच से पता चला कि फैक्टरी प्रबंधन ने बोगस फर्मों से खरीद की थी। व्यवसायी ने तत्काल 40 लाख जुर्माने के तौर पर जमा किया। स्टॉक रजिस्टर मौजूद नहीं रहने पर टीम ने तीन करोड़ 81 रुपये का माल जब्त कर लिया। राज्य कर की अपर आयुक्त ग्रेड-1 अनुपमा गोयल ने गोपनीय सूचना के आधार पर अपर आयुक्त ग्रेड -2 आरए सेठ से मंत्रणा करने के बाद फाइबर कारोबारी पर छापा मारने के लिए 50 अधिकारियों की टीम गठित की। अमरोहा जिले के गजरौला स्थित दो फर्मों और मुरादाबाद पीलीकोठी स्थित हेड आफिस में छापा मार दिया। फैक्टरी प्रबंधन कॉटन से फाइबर निर्माण कर उसकी बिक्री करता है। अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया कि दोनों फर्मों द्वारा वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में ऐसी फर्मो से खरीद है। जिनका जीएसटी पंजीयन पहले ही निरस्त हो चुके हैं। दोनों फर्मों से 2.75 करोड़ की बोगस खरीदारी पकड़ी गई। जांच के दौरान मौके पर ही एक फर्म का 40 लाख रुपये जुर्माना फैक्टरी प्रबंधन ने तत्काल जमा कर दिया। अपर आयुक्त एसआईबी आरए सेठ ने बताया कि मौके पर स्टॉक रजिस्टर नहीं पाए गए। इस मामले में अधिकारियों ने शनिवार की सुबह तीन करोड़ 81 लाख रुपये का माल जब्त कर लिया। अधिकारियों ने मौके से कुछ कागजातों को कब्जे में लिया। मामले में सुनवाई के लिए 18 जून की तिथि निर्धारित की गई है। निस्तारण के बगैर व्यवसायी जब्त माल बेच नहीं सकेंगे।

जमीन के विवाद में दो पक्षों के बीच फायरिंग, महिला की मौत

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। गुन्नौर थाना क्षेत्र के गांव भोजराजपुर में जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस बीच गोली लगने से माया (22) की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं आरोपी पक्ष मौके से फरार है। गुन्नौर थाना क्षेत्र के भोजराजपुर गांव में सत्यभान और परमेश्वर के बीच कभी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों पक्ष 15 दिन पहले आमने-सामने आ चुके थे। रविवार सुबह साढ़े 11 बजे फिर से दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

फायरिंग के दौरान सत्यभान पक्ष से माया देवी के सीने में गोली लग गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस से शव को कब्जे में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। गांव में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात किया गया है।

जनकल्याण सेवा समिति द्वारा कराया गया शरबत वितरण

अमर भास्कर, ब्यूरो

चन्दौसी। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर जनकल्याण सेवा समिति चंदौसी रजिस्टर्ड द्वारा माल गोदाम रोड पर मोहन नक्षत्र के आवास पर राहगीरों को शरबत वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिसका शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय द्वारा किया गया। इस दौरान राहगीरों को रोक- रोक कर शरबत पिलाया गया। गर्मी का कहर लगातार जारी है।

दोपहर में पारा 45 डिग्री तक पहुंच रहा है। ऐसे में अपने काम से निकले राहगीरों को गर्मी की तपन तो झेलनी पड़ती ही है। इसी के साथ गर्मी से जनमानस का हलक भी सूख जाता है। ऐसे में चक्कर आना और

तबियत बिगड़ने का अधिक खतरा बना रहता है। जिसको देखते हुए जन कल्याण सेवा समिति ने शरबत वितरण करने का निर्णय लिया।

उधर से निकल रहे लोगों ने रुक रुक कर शरबत पीकर अपनी प्यास बुझाई। समिति की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने कहा, कि गर्मी में इस तरह शरबत वितरण किया जाते रहना चाहिए। इससे लोगों को काफी लाभ मिलता है। श्री मोहन नक्षत्र जी ने गंगा दशहरा के पर्व के महत्व को बताते हुए, कहा के इस दिन किए गए दान का पुण्य फल कभी समाप्त नहीं होता है। गंगा दशहरा हमारे दशों पापों का नाश करने वाला है। सचिव भावना गुप्ता ने कहा कि गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए।

समिति द्वारा 17 तारीख से लगातार 15 दिन तक शीतल जल की प्याऊ की सेवा मोहन नक्षत्र की देखरेख में रहेगी। उपाध्यक्ष रेखा रस्तोगी ने कहा कि इस समय में सभी को शरबत, शीतल जल वितरण करके पुण्य कमाना चाहिए। क्यूंकि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। कोषाध्यक्ष आशा गोस्वामी ने कहा, कि जन कल्याण सेवा समिति हमेशा जनहित के कार्य करने के लिए तत्पर रहती है।

इसी के क्रम में शरबत वितरण कराया गया है। आगे भी इसी तरह से कार्य किया जाता रहेगा। अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने पशुओं के पानी पीने के लिये एक ड्रम दिया जिसकी पानी पिलाने की जिम्मेदारी अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय द्वारा मोहन नक्षत्र जी को दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्पना वार्ष्णेय, भावना गुप्ता, रेखा रस्तोगी, आशा गोस्वामी, दिनेश चंद्र गुप्ता आदि का विशेष सहयोग रहा।

डीएम-एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था के दिये दिशा निर्देश

अमर भास्क्रर, ब्यूरो

कासगंज। गंगा दशहरा स्नान के अवसर पर जिलाधिकारी कासगंज सुधा वर्मा व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा थाना सोरों क्षेत्रान्तर्गत हर की पौड़ी सोरों एवं थाना सिकन्दरपुर वैश्य क्षेत्रान्तर्गत तरसी चौराहा पहुँचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने, अनुशासन बनाए रखने, श्रद्धालुओं की हरसम्भव सहायता करने, हुड़दंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर तत्काल कठोर कार्यवाही

अमल में लाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाये जाने हेतु सम्बन्धित थाना प्रभारियों एवं मौके पर उपस्थित पुलिस बल को निर्देशित किया गया।

लाखों की संख्या में सोरों जी हर की पौड़ी पर, लहर गंगा जी घाट पर स्नान कर यात्रियों ने पुण्य लाभ कमाया, लाखों की संख्या में राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, गुजरात उत्तराखंड, से यात्री गंगा जी स्नान करने आए, आए हुए यात्रियों के लिए विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए तेजल की व्यवस्था की कहानी शीतल जल कहीं लस्सी कहीं शरबत कहीं फल वितरण किए गए, गंगा जी सौरव जी पर भी वह गंगा भगवान वाराह के मंदिर में प्रसाद वितरण किया गया। मां गंगा का अभिषेक जागरण आरती विभिन्न प्रकार की कार्यक्रम सोरों गंगा जी घाट पर आयोजित किए गए।

कुछ दिन पहले पत्नी की मौत, अब किसान का चारपाई पर मिला शव

अमर भास्कर,ब्यूरो

अमरोहा। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर में किसान कन्हैया (60) उर्फ कालिया का शव चारपाई पर मिला। वह अपने घेर पर सो रहा था। छोटे भाई ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। जांच पड़ताल की जा रही है। क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर में कन्हैया उर्फ कालिया रहते थे।

कुछ समय पूर्व बीमारी के चलते उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। उनके कोई संतान भी नहीं थी। गांव के बाहरी छोर पर घेर बना हुआ है। जिसमें बने एक कमरे में कन्हैया अकेले रहते थे। यहां पर वह खेतीबाड़ी के साथ पशुपालन भी करते थे। रोजाना की तरह वह शनिवार की रात को अपने घेर में पड़ी चारपाई पर सो रहे थे।

सुबह को जब सोकर नहीं उठे तो छोटा भाई सल्लू वहां पहुंचा। देखा तो वह मृत अवस्था में पड़े थे। सल्लू ने उनकी गर्दन पर निशान होने की बात कही और हत्या की आशंका जताई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने जांच पड़ताल की।

बिजली विभाग ने भेजा ढाई लाख की वसूली का नोटिस

अमर भास्कर, ब्यूरो

अमरोहा। बिजली विभाग की ओर से घरेलू बिजली बिल के ढाई लाख के वसूली नोटिस आने से परेशान किसान ने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे हालत बिगड़ गई। हायर सेंटर रेफर किया गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव चकौरी में किसान विनोद कुमार का परिवार रहता है। बताते हैं कि किसान पर कई माह का घरेलू बिजली का बिल बकाया था। दो दिन पूर्व बिजली विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर चेकिंग की गई थी और बिजली चोरी का आरोप लगाते हुए ढाई लाख रुपये वसूली का नोटिस दिया था। बिजली विभाग की टीम ने थाने पहुंचकर खुद के साथ अभद्रता

करने की शिकायत भी की थी। इसको लेकर किसान तनाव में चला गया। शाम को किसान ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

उपचार के लिए हसनपुर के निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। यहां से हालत में सुधार नहीं होने पर सरकारी अस्पताल ले गए। जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है मामला जानकारी में है। यदि कोई शिकायत मिलती है जो जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। किसान के घर बिजली चोरी पकड़ी गई थी। उस पर बिल बकाया भी है। चेकिंग करने गई टीम के साथ अभद्रता की गई थी। इसकी शिकायत भी गई है।

बबराला में किया गया श्याम भक्त का स्वागत सत्कार

अमर भास्कर, ब्यूरो

बबराला। कस्बा बबराला में श्याम प्रेमी अमन वार्ष्णेय ने श्याम भक्त राधानंद दीक्षित महाराज को आमंत्रित किया। राधानंद दीक्षित महाराज के पहुंचते ही श्याम प्रेमियों ने तिलक कर व फूल मालाएं पहनाकर स्वागत-सत्कार किया। श्याम प्रेमी अमन वार्ष्णेय की माँ ने बाबा श्याम की सुंदर आकृति भेंटकर एवं पटका ओढ़ाकर स्वागत किया।

महाराज ने कहा इस भयंकर गर्मी मे आने जाने वालों को शर्बत पिलाना बड़े पुण्य का कार्य है । उन्होंने कहा ऐसे पुण्य के कार्य मनुष्यों को करते रहना चाहिए। वही समाज सेवी डॉव संजीव गुप्ता निवासी बबराला ने कहा वह जब से महाराज से जुड़े हैं, उनके जीवन में खुशियाँ आने लगी हैं। उन्होंने यह भी कहा राधानंद दीक्षित महाराज से सेंकड़ों लोग बबराला के जुड़ चुके है। सभी की आस्था है कि महाराज के द्वारा दीन दुखियों पर श्याम कृपा हो रही है। लोगों के दुख श्याम कृपा से दूर हो रहे हैं । इस मौके पर अमन वार्ष्णेय, सुरेश अग्रवाल, अमन वार्ष्णेय, संजीव गुप्ता, डॉ हरीश यादव, ठाकुर अमरसिंह, आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

ब्रिटेन और श्रीलंका में मनाया गया योग कार्यक्रम

कनाडा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले दुनियाभर के देशों में योग कार्यक्रम हो रहे हैं। ब्रिटेन और श्रीलंका में योग को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्राफलगर चौक पर तो श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने त्रिंकोमाली में एक योग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।पांच हजार लोग हुए शामिल श्रीलंका के त्रिंकोमाली के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन किया।

इसमें पांच हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। बता दें, 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे अपनाने के बाद 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने कहा, लंदन के ट्राफलगर चौक पर 700 से अधिक लोगों का आना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इसके चारों ओर प्रतिष्ठित प्रतिमाएं हैं। निश्चित रूप से, कई योग विद्यालय यहां आए और योग के अभ्यास में हमारा नेतृत्व किया।

इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लंदन में हुए कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने का कहना है कि योग सभी को एकजुट करता है और योग सभी के लिए है। इस वर्ष क्या अलग है, इस बारे में पूछे गए सवाल के उत्तर में भारतीय राजदूत दोरईस्वामी ने बताया कि इस साल अधिक प्रतिभागी थे, अतिरिक्त योग विद्यालय शामिल हुए थे तथा समुदायों की विविधता भी अधिक थी।

हालांकि, मुख्य ध्यान भागीदारी में अंतर के लक्ष्य के बजाय उपचार और व्यक्तिगत विकास में योग की भूमिका को जारी रखने पर रहता है। दोरईस्वामी ने शनिवार को कहा, इस का कार्यक्रम इस मायने में अलग है कि हमारे यहां और भी अधिक लोग थे, हमारे साथ अधिक योग स्कूल जुड़े हैं और हमारे यहां समुदायों की एक बड़ी विविधता है। इस साल का विषय महिला सशक्तिकरण इसके अलावा, ब्रिटेन की नागरिक इंद्रपाल ओहरी चंदेल ने भी बात की और बताया कि इस साल का विषय श्महिला सशक्तिकरण है।

उन्होंने भारतीयों और एशियाई लोगों के लिए योग के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह उनकी विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो सांस्कृतिक संबंध और महत्व को बढ़ावा देता है। बड़ी बात यह है कि आज भारतीय क्रिकेट की बधिर टीम के सदस्य भी यहां आए क्योंकि उनके मैच ग्रेट ब्रिटेन के साथ होंगे। कार्यक्रम के दौरान ब्रिटेन में भारतीय डायस्पोरा के सह-संस्थापक हितेश गुप्ता ने कहा, आप देख सकते हैं कि हमारे समूह से बहुत सारे लोग यहां हैं। योग का जश्न मनाने के लिए आज लगभग 100 से अधिक लोग शामिल हुए हैं।

टेक्सास में जूनटींथ उत्सव मातम में बदला

वाशिंगटन। अमेरिका में टेक्सास के राउंड रॉक में शनिवार की रात को जूनटींथ उत्सव के दौरान गोलीबारी की गई। हमलावर में भीड़ पर गोली चलाई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी में दो बच्चे समेत कम से कम छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों की हालत गंभीर है। राउंड रॉक पुलिस विभाग इस मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह एक सक्रिय दृश्य है।

जांच जारी है। कृपया इस क्षेत्र में जाने से बचें। कानून प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता मौके पर मौजूद हैं। ऑस्टिन-ट्रैविस काउंटी ईएमएस घायलों को स्थानीय अस्पताल ले गए। ये सभी गंभीर रूप से घायल हैं स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग घायल है। हालांकि, बाद में रिपोर्टों से मालूम चला कि मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई।

विदेशी सहायता पर निर्भरता खत्म करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है।

शहबाज शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफके साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ ने अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए ये बात कही। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि इंशाअल्लाह, यह पाकिस्तान के इतिहास में आईएमएफ का आखिरी प्रोग्राम होगा। हम अपने पैरों पर खड़े होंगे और आर्थिक विकास के मामले में अपने पड़ोसी देशों को भी पीछे छोड़ देंगे। शरीफने 4 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। शरीफ ने कहा कि श्दुनिया में ऐसे भी देश हैं, जिन्होंने एक बार आईएमएफ से मदद ली और उसके बाद उन्हें कभी भी आईएमएफ की जरूरत नहीं पड़ी। हमने आईएमएफ से 24-25 बार मदद ली है, लेकिन मैं आज आपको ये यकीन दिलाता हूं कि आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी हो सकता है।

शरीफ ने कहा कि अब हम दुनिया के देशों से अब व्यापार को लेकर बात करेंगे न कि कर्ज लेने को लेकर। मुझे लगता है कि इसी तरह से पाकिस्तान कर्ज के जाल से निकल सकेगा। शरीफ ने कहा कि देश की भलाई के लिए कुछ कड़े फैसले लेने होंगे। शरीफने उन सभी संस्थानों, मंत्रालयों और अन्य विभागों को खत्म करने का फैसला किया, जो खजाने पर बोझ बने हुए हैं और वे जनसेवा में भी नहीं लगे हैं।

ट्रेनों में गति सीमा के उल्लंघन की होगी जांच

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने एक समिति का गठन किया है। यह समिति इस बात पर नजर रखेगी कि ट्रेनों का सुरक्षित रूप से संचालन किया जा रहा है या नहीं? दरअसल, रेलवे बोर्ड को शिकायत मिली है कि कुछ ट्रेनों का संचालन गति सीमाओं के उल्लंघन के साथ किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड द्वारा गठित की गई समिति इन उल्लंघनों के कारणों का पता लगाएगी। रेलवे बोर्ड को इन मामलों की शिकायत मिलीसूत्रों का कहना है कि रेलवे बोर्ड ने हाल में कुछ मामलों का संज्ञान लिया है।

बताया गया है कि दो ट्रेन ड्राइवरों ने एक नदी के पुल पर 20 किमी प्रति घंटे की गति प्रतिबंध का उल्लंघन किया। बताया गया है कि पुल का रखरखाव किया जा रहा था। इस दौरान चालकों ने अपनी ट्रेनों को पुल पर 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया। पहला मामला गतिमान एक्सप्रेस से जुड़ा है। यह

भारत से पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन है। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है।

बताया गया है कि ट्रेन के लोको पायलट और सह लोको पायलट ने आगरा कैंट के पास जाजऊ और मनिया रेलवे स्टेशन के बीच तय किए गए गति सीमा का उल्लंघन किया। गतिमान एक्सप्रेस के कुछ दिनों के बाद मालवा एक्सप्रेस ने भी उसी स्थान में तय किए गए गति सीमा का उल्लंघन किया। ट्रेन को 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। रेलवे बोर्ड ने जारी किए निर्देश इन घटनाओं के तुरंत बाद रेलवे बोर्ड ने 3 जून को सभी रेलवे जोन के लिए एक निर्देश जारी किया। निर्देश में बताया गया कि रेलवे बोर्ड ने लोको पायलटों और ट्रेन प्रबंधकों को जारी किए जा रहे आदेशों की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इन नियमों का रखना होगा ध्यान बैठक में रेलवे बोर्ड ने बताया कि रेलवे ट्रैक की स्थिति, मरम्मत कार्य, पुराने रेलवे पुलों के रखरखाव के दौरान ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए गति प्रतिबंध लगाए जाते हैं। यह भी बताया गया कि इंजन पर चढ़ने से पहले, लोको पायलट और उनके सहायक को गति सीमा के साथ एक पूरा रूट चार्ट दिया जाता है। लोको पायलट्स को चार्ट के अनुसार ही गति बनाए रखनी होती है। बैठक में लोको पायलट्स की शिकायतों का भी ध्यान रखा गया।

युद्धाभ्यास रेड फ्लैग में शामिल हुआ दल

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के एक दल ने अमेरिका के अलास्का में आयोजित हुए युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 में शिरकत की। यह युद्धाभ्यास अमेरिका के अलास्का के इलसन एयर फोर्स बेस पर आयोजित किया गया। यह युद्धाभ्यास 4 जून से 14 जून तक आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका के साथ ही भारत, सिंगापुर, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी की वायुसेनाएं शामिल हुईं।

साल में चार बार आयोजित होता है रेड फ्लैग युद्धाभ्यास रेड फ्लैग 2024 का यह दूसरा संस्करण था। रेड फ्लैग युद्धाभ्यास एक एडवांस कॉम्बैट ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। यह युद्धाभ्यास साल में चार बार आयोजित होता है। भारतीय वायुसेना के दल में राफेल फाइटर जेट और एयर के साथ ही तकनीशियन, इंजीनियर, कंट्रोलर और विषयों के विशेषज्ञ शामिल रहे।

कानूनी शासन के आधार पर बनाएंगे खुला हिंद-प्रशांत

नई दिल्ली। दुनिया के सात शीर्ष औद्योगिक देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन के अंत में जारी साझा वक्तव्य में भारत-पश्चिम-यूरोप आर्थिक गलियारे के प्रस्तावों को आगे बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई है। शुक्रवार को जारी इस वक्तव्य में कहा गया कि जी-7 कानून के शासन के आधार पर स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही कहा गया कि गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए जी-7 वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी की अहम परियोजनाओं को बढ़ावा देंगे।

इनमें भारत-पश्चिम एथिया-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर के साथ ही लोबिटो कॉरिडोर, लुजोन कॉरिडोर, मिडिल कॉरिडोर शामिल हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि खासतौर पर आईएमईसी को मूर्त रूप देने के लिए समन्वय और वित्तपोषण पर जोर दिया जाएगा।

इसके साथ ही ईयू ग्लोबल गेटवे, ग्रेट ग्रीन वॉल पहल और अफ्रीका के लिए इटली द्वारा शुरू की गई मैटेई योजना को भी अमली जामा पहनाया जाएगा। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके।

आईएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में पेश किया है। न्यूनतम कर आधार के जरिये एक निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय कराधान प्रणाली के लिए मजबूती के साथ समर्थन दिया है। वैश्विक न्यूनतम कर पर एक बहुपक्षीय सम्मेलन तकनीकी स्तर पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। अब यह देशों पर निर्भर है कि वे अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करें।

इटली इसके समर्थन में है। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अपनाया जाएगा। यूरोप के शरणार्थी संकट का हल निकालने पर बनी सहमतिइससे पहले, शुक्रवार को जी-7 देशों ने यूरोप के शरणार्थी संकट का हल निकालने पर सहमति जताई थी। लेकिन, इसके तौर-तरीकों को लेकर अब भी उलझन बरकरार है। सम्मेलन के दूसरे दिन इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय देशों में शरणार्थियों व प्रवासियों की आवक घटाने के लिए लिंक्ड टू अफ्रीका समाधान पेश किया।

कथित बेटी की सच्चाई छिपाने को लेकर मुश्किल में इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कथित बेटी के नाम को छिपाने के आरोप में खान को अयोग्य ठहराने वाली मांग को लेकर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व पीएम के खिलाफ 2018 के चुनाव में नामांकन के दौरान गलत जानकारी देने के आरोप में उनका नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था।

अब याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत का रुख अपना है। बता दें, पूर्व पीएम इमरान खान के खिलाफ मोहम्मद साजिद नामक याचिकाकर्ता ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया कि 71 वर्षीय इमरान खान

ने 2018 के चुनाव के दौरान अपने नामांकन में अपनी कथित बेटी टायरिन के बारे में जानकारी नहीं दी थी।

इमरान खान की पार्टी ने 2018 के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उसके बाद इमरान खान ने अगस्त 2018 से लेकर अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में काम किया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इमरान खान ने अपने नामांकन में गलत जानकारी दी। इमरान ने अपने हलफनामे में सिर्फ अपने दो बेटों का जिक्र किया, लेकिन तीसरी संतान टायरिन का जिक्र नहीं किया।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट से पहले याचिकाकर्ता ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, यहां से उसे निराशा हाथ लगी। इस मामले पर सुनवाई कर रही इस्लामाबाद हाईकोर्ट की तीन जजों की पीठ को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आमेर फारुख ने भंग कर दिया था। बाद में नई पीठ ने याचिका पर सुनवाई कर उसे खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी ने पिछले साल दिए गए दो न्यायाधीशों की राय पढ़ी और फैसला सुनाया कि मामला पहले ही खारिज किया जा चुका है।

याचिकाकर्ता मोहम्मद साजिद ने अपने वकील साद मुमताज हाशमी के माध्यम से शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दलील दी कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट की पीठ ने तीन में से दो न्यायाधीशों की सहमति वाली राय को अदालती फैसला मानने में गलती की है। मियांवाली निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन के समय अपनी बेटी के बारे में नहीं बताया था।

स्थानीय लोगों ने दावत में पकाकर खाया मगरमच्छ

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया के गांव में स्थानीय लोगों ने एक पारंपरिक उत्सव के दौरान खारे पानी के एक बड़े मगरमच्छ को मारकर खा लिया। इस साल की शुरुआत में आई बाढ़ के बाद 3.63 मीटर लंबा मगरमच्छ 250 मीटर दूर बेन्स नदी में चला गया था। वह पानी से बाहर निकलकर बच्चों और वयस्कों पर हमला कर रहा था। मगरमच्छ ने कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था। आदिवासी समुदाय के लोगों से बात करने के बाद पुलिस ने मंगलवार मगरमच्छ को गोली मार दी।

एक बयान जारी कर पुलिस ने कहा, स्थानीय लोगों और वन्यजीवों के परामर्श के बाद मगरमच्छ को गोली मार दी गई। अब यह समुदाय के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा। पार्क और वन्यजीवन द्वारा एक मगरमच्छ सुरक्षा सत्र आयोजित किया गया।

अभियान को हर दिन कुछ देर रोकेगा इस्त्राइल

हमास। इस्त्राइली सेना ने मानवीय सहायता की बढ़ी हुई मांग की डिरीवरी की अनुमति देते हुए गाजा में अपने आक्रमण पर कूटनीतिक तौर पर रोक लगाने की घोषणा की। सेना ने कहा कि राफा क्षेत्र में सुबह के आठ बजे से शाम के सात बजे तक रोक लगाई गई है। अगली सूचना तक हर दिन रोक रहेगी। इस रोक का उद्देश्य सहायता ट्रकों को इस्त्राइल नियंत्रित केरेम शेलोम क्रॉसिंग के पास पहुंचाना है।

दरअसल यह क्षेत्र सहायता पहुंचाने का मुख्य द्वार है। बताया गया कि इस रोक को संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के साथ समंवित किया जा रहा है। आठ महीने से इस्त्राइली सेना लगातार गाजा पर हमले कर रहे हैं। इस हमले ने गाजा को मानवीय संकट में डाल दिया। यूएन ने इस दौरान गाजा में

भूखमरी और सैकड़ो-हजारों लोगों के अकाल के कगार में होने की रिपोर्ट दी है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों ने इस्त्राइल से संकट को कम करने का आग्रह किया।

संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, यूएन को छह मई से छह जून तक प्रतिदिन सहायता के तौर पर औसतन 68 ट्रक प्राप्त हुए। यह अप्रैल में प्रतिदिन औसतन 168 से कापी कम था। सहायता समूहों का कहना है कि प्रतिदिन 500 ट्रकों की जरूरत है। गाजा में जैसे-जैसे मानवीय जरूरतें बढ़ने लगी, सहायता का प्रवाह कम होने लगा। करीबन दस लाख फलस्तीनी राफा भाग गए। कई पहले ही भाग गए थे, उनमें से अधिकांश अब टूटे फूटे टेंट और शिविरों में रह रहे हैं।

गाजा में सहायता वितरण की देखरेख करने वाली इस्त्राइली सैन्य संस्था कोगाट का कहना है कि सहायता ट्रकों के प्रवेश पर रोक नहीं है। उन्होंने बताया कि दो मई से 13 जून के बीच 8,600 ट्रकों ने विभिन्न क्रॉसिंग से गाजा में प्रवेश किया। कोगाट के प्रवक्ता शिमोन फ्रीडमैन ने कहा यह संयुक्त राष्ट्र की गलती थी कि उसका माल केरेम शालोम के गाजा क्षेत्र में जमा हो गया।ष् हालांकि, यूएन ने इन आरोपों को नकार दिया।

विमान में हंगामा करने वाली महिला पर लगाया जुर्माना

वाशिंगटन। साल 2021 में अमेरिकन एयरलाइंस की एक उड़ान के दौरान एक महिला यात्री ने जमकर हंगामा किया था। वहीं, अन्य यात्रियों पर हमला भी किया था। चालक दल को मजबूरन महिला को सीट पर बैठाकर टेप से बांधना पड़ा था। तब उसपर गलत व्यवहार के लिए 82 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया था।

हालांकि, अब एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि महिला अपना जुर्माना नहीं चुका रही है। इसी के चलते उस पर एक मुकदमा दायर किया गया है। एक रिपोर्ट में कहा

गया है कि 34 वर्षीय एक अमेरिकी महिला पर 2021 में अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में सह-यात्रियों पर हमला करने के लिए 81,950 डॉलर का जुर्माना न चुकाने का मुकदमा दायर किया गया है। हीथर वेल्स पर सात जुलाई, 2021 को टेक्सास से चार्लोट जाने वाली उड़ान में साथी यात्रियों को लात मारने और उन पर थूकने का आरोप लगा था। हीथर वेल्स ने विमान का दरवाजा भी खोलने की कोशिश की थी।

अंत में परेशान चालक दल ने उसके मुंह पर टेप लगा दिया था और उसे सीट से बांध दिया था। संघीय विमानन प्रशासन ने उस पर 81,950 डॉलर का जुर्माना लगाया है, जो किसी यात्री के हिंसक व्यवहार के लिए प्राधिकरण द्वारा लगाया गया अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है।

न्यू जर्सी में बवंडर ने मचाई तबाही

नई दिल्ली। न्यू जर्सी में शुक्रवार को भारी बारिश और हवाओं के साथ भीषण तूफान आया। वहीं, मर्सर काउंटी में भूस्खलन के बाद आए बवंडर ने बड़ी तबाही मचाई।

बवंडर की वजह से पेड़ टूटे राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, लॉरेंस टाउनशिप में कोनोको गैस स्टेशन के पास 80 मील प्रति घंटे की गति से बवंडर आया। बवंडर की वजह से पेड़ टूट गए, जिनमें से एक पेट्रोल स्टेशन पर जा गिरा। वहीं एक डाकघर की पार्किंग में खड़ी कई कारें पलट गईं।

हिजबुल्ला और इस्त्राइल सेना के बीच हो सकता है भयंकर युद्ध

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने शनिवार को चेतावनी दी है कि लेबनान की दक्षिण सीमा पर गलत आकलन करना बहुत घातक हो सकता है। जिससे हिजबुल्ला और इस्त्राइल सेना के बीच भयंकर युद्ध की संभावना है।

लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक जीनिन हेनिस-प्लास्चर्ट और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के प्रमुख अरोल्डो लाजारो ने कहा कि वे लेबनान की सीमा पर को लेकर काफी चिंतित हैं। आठ महीनों से हिजबुल्लाह और इस्त्राइली सेना के बीच

गोलाबारीईरान समर्थित हिजबुल्ला ने पिछले सप्ताह रॉकेटों और ड्रोनों से कापी बमबारी की। गाजा में युद्ध के अलावा हिजबुल्ला पिछले आठ महीनों में हिजबुल्लाह गाजा युद्ध के साथ ही इस्त्राइली सेना के साथ गोलाबारी कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के दोनों अधिकारियों ने शनिवार को एक लिखित बयान में कहा गलत अनुमान के कारण अचानक और व्यापक संघर्ष होने का खतरा बहुत ज्यादा है। अमेरिका और फ्रांस की बातचीत से नहीं निकल सका है समाधान संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस लेबनान की दक्षिणी सीमा पर लड़ाई खत्म करने के लिए लगातार बात कर रहे हैं। लेकिन हिजबुल्ला का कहना है कि जब तक इस्त्राइल सेना गाजा से वापस नहीं जाती है, वो गोलीबारी बंद नहीं करेगा।

इस्त्राइल और हमास के बीच बीते आठ महीनों से भीषण जंग जारी है। युद्ध विराम के तमाम प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं। इस बीच, दक्षिण गाजा में इस्त्राइली रक्षा बलों पर सबसे बड़ा हमला हुआ। आईडीएफ के आठ जवानों के मारे जाने की खबर है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेल: amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2021/82941